रजिस्ट्री सं. डीएल(एन)-04/0007/2003--05 REGISTERED No. DL(N)-04/0007/2003—05

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 26—दिसम्बर 02, 2005 (अग्रहायण 5, 1927)

No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 26—DECEMBER 02, 2005 (AGRAHAYANA 5, 1927)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ
भाग I--खण्ड-1--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1131
भाग I--खण्ड-2--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1109
भाग I--खण्ड-3--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	13
भाग I--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गईं सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	2247
भाग II--खण्ड-1--अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II--खण्ड-1क--अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II--खण्ड-2--विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*
भाग II--खण्ड-3--उप-खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II--खण्ड-3--उप-खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II--खण्ड-3--उप-खण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग III--खण्ड-1--उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गईं अधिसूचनाएं	1835
भाग III--खण्ड-2--पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गईं पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	597
भाग III--खण्ड-3--मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गईं अधिसूचनाएं	*
भाग III--खण्ड-4--विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गईं अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	2861
भाग IV--गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	325
भाग V--अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

1—341GI/2005

CONTENTS

	Page
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1131
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1109
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	13
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2247
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1835
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	597
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the Authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2861
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	325
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2005

संख्या 125-प्रेज/2005-राष्ट्रपति निम्नलिखित अफसर को उनके असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए **"कीर्ति चक्र"** प्रदान करने की स्वीकृति देते हैं :-

विंग कमांडर बालाकृष्ण पिल्लै श्रीभवन कृष्ण कुमार (17870)
उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 26 दिसंबर 2004)

विंग कमांडर बालाकृष्ण पिल्लै श्रीभवन कृष्ण कुमार कार निकोबार में वायुसेना स्टेशन पर एम आई 8 उड़ान के कमान अफसर के रूप में 08 नवंबर, 2004 से तैनात हैं ।

26 दिसंबर, 2004 को कार निकोबार का वायुसेना स्टेशन तीव्र भूकंप और उसके बाद आए सुनामी से नष्ट हो गया था । ज्वार की लहरों से डूबने और तबाह होने वाले पहले घरों में एक घर कमांडर कृष्ण कुमार का था । मृत्यु तुल्य स्थिति का सामना कर बचने के बाद, विंग कमांडर कृष्ण कुमार समय गंवाए बिना विमान में सवार हो गए ताकि वे स्थिति का जायजा लेकर खोज व बचाव कार्रवाई कर सकें ।

विमान में सवार होकर विंग कमांडर कृष्ण कुमार ने ज्वार की 30 फुट ऊंची लहरों से मची तबाही देखी और समय के महत्व को महसूस किया । इन्होंने सुनामी लहरों से मकानों के ढह जाने अथवा उनके जलमग्न हो जाने से पहले बालकनियों, छतों और ऊंची भूमि में फंसे परिवारों और कार्मिकों को बचाने का कार्य तत्काल शुरू कर दिया । विमान में खींचकर उठाना तथा विमान को जमीन पर उतारकर बचाव-कार्य करना खतरनाक होता जा रहा था, क्योंकि नजर आने वाली लगभग प्रत्येक वस्तु जलमग्न होती जा रही थी । मृत्यु के निकट से बचपाने के सदमे के बावजूद विंग कमाडर कृष्ण कुमार ने अपना धैर्य बनाए रखा तथा नगण्य सुरक्षा स्थितियों में लगातार हेलीकॉप्टर उड़ाकर अत्यधिक साहस और सैनिकोचित सूझबूझ का परियच देते हुए लगभग 400 लोगों के प्राण बचाए । सुनामी तूफान में अपने सारे सामान-व-असबाब गंवाने के बावजूद बाद के दिनों में विंग कमांडर कृष्ण कुमार ने न केवल कार निकोबार, बल्कि निकोबार के शेष द्वीप समूहों में हजारों प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने व मदद करने के लिए कई उड़ानें भरीं

विंग कमांडर बालाकृष्ण पिल्लै श्रीभवन कृष्ण कुमार ने प्राकृतिक आपदा में अत्यधिक प्रतिकूल स्थिति का सामना करने में उत्कृष्ट साहस, असाधारण वीरता तथा साथियों के प्रति सहानुभूति का प्रदर्शन किया ।

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 126-प्रेज/2005-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके वीरतापूर्ण कार्यों के लिए **"शौर्य चक्र"** प्रदान करने का स्वीकृति देते हैं:-

1. **मोहम्मद अकबर, हेडकांस्टेबल,**
जम्मू-कश्मीर पुलिस (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **19 अप्रैल, 2004**)

राज्य में दिनांक 20.04.2004 को चुनावों के दौरान मतदान में सुरक्षा प्रदान करने के लिए 19 अप्रैल, 2004 को हेड कांस्टेबल मोहम्मद अकबर की अगुवाई में एक पुलिस दल ने लाल बाबा साहिब अरामपोरा सोपोर, जिला बारामूला के मतदान बूथों पर रिपोर्ट की । पोलिंग स्टेशन के परिसर का कब्जा लेते समय कुछ अज्ञात आतंकवादियों ने पोलिंग स्टेशन परिसर में एक ग्रेनेड फेंका । ग्रेनेड देखते ही हेड कांस्टेबल मोहम्मद अकबर ने तत्काल छलांग लगा दी और ग्रेनेड उठाकर उसे आतंकवादियों की ओर फेंकने का प्रयास किया । किंतु, ग्रेनेड उनके हाथों में ही फट गया, जिससे उनकी तत्काल मौत हो गई । हेड कांस्टेबल मोहम्मद अकबर के इस साहसपूर्ण कार्य से उस जगह मौजूद कुछ सिविलियनों तथा पुलिस जवानों के प्राण बच गए ।

इस प्रकार, श्री मोहम्मद अकबर ने सिविलियनों व अन्य पुलिस कर्मियों की जानें बचाने में वीरता, अदम्य साहस, अनुकरणीय कर्त्तव्य परायणता का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान दिया ।

2. **जेसी-469128 नायब सूबेदार जगबीर सिंह**
19 राजपूताना राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **06 मई, 2004**)

बटालियन मुख्यालय द्वारा एकत्र की गई सूचनाओं के आधार पर, 06 मई, 2004 को दिन के 12 बजे जम्मू-कश्मीर में एक कालोनी के निकट बुथ जंगल के एक हिस्से की घेराबंदी की गई । तलाशी और सफाया आपरेशन में तीन खोजी दल लगाए गए थे, जिन्होंने घास-फूस और घने जंगल की गहन तलाशी शुरू कर दी । नायब सूबेदार जगबीर सिंह चुपके से आगे बढ़कर एक गुप्त

ठिकाने पर पहुंच गए तथा कुछ आतंकवादियों का पता लगाया । अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना वह निकट पहुंचे और एक हथगोला फेंककर आतंकवादियों पर टूट पड़े तथा उनमें से दो को मौके पर ही मार डाला, जबकि अन्य आतंकवादी भाग गए । नायब सूबेदार जगबीर सिंह ने कमान अफसर को सूचना दी तथा दूसरे आतंकवादियों को खोजने के लिए अपने दल को पुनः संगठित किया । एक आतंकवादी ने गोली चलाकर एक जवान को जख्मी कर दिया । नायब सूबेदार जगबीर ने स्थिति को सम्भाला और दल को पुनः व्यवस्थित किया तथा आमने-सामने की लड़ाई में तीसरे आतंकवादी का सफाया कर दिया तथा स्वयं ही जख्मी जवान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया । इस कार्रवाई में, छह दुर्दांत आतंकवादी मारे गए ।

नायब सूबेदार जगबीर ने आतंकवादियों से लड़ने में अदम्य साहस, सामरिक सूझ-बूझ तथा अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया ।

3. **2896869 राइफलमैन भूपेन्द्र सिंह**
राजपूताना राइफल/ 9 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 17 मई, 2004)

17 मई, 2004 को, सूचना के आधार पर जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग जिले के एक गांव में तलाशी और सफाया आपरेशन चलाया गया था । राइफलमैन भूपेन्द्र सिंह भीतरी घेराबंदी के सदस्य थे ।

लगभग 0200 बजे, भीतरी घेराबंदी के सदस्य एक घर में छिपे आतंकवादियों की ओर से स्वचालित हथियारों द्वारा की गई सघन तथा कारगर गोलीबारी और ग्रेनेड की चपेट में आ गए । स्थिति की गंभीरता और अपने साथियों की असुरक्षा को भांपते हुए, राइफलमैन भूपेन्द्र सिंह खामोशी से रेंगते हुए खिड़की पर पहुंचे और अचानक खड़े हो गए तथा खिड़की में से एक आतंकवादी को मार गिराया । दूसरे आतंकवादी ने इनकी ओर एक ग्रेनेड फेंका और बगल के कमरे में भागा । राइफलमैन भूपेन्द्र सिंह ग्रेनेड के इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए, किंतु सभी सावधानियों को ताक़ पर रखकर स्वयं को जोखिम में डालते हुए अकेले ही उस घर में कूद पड़े । उसके बाद, यह वीर सिपाही अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन करते हुए गोलियों की बौछार करते हुए दूसरे आतंकवादी की ओर टूट पड़े । किंतु, गोलाबारी की इस लड़ाई में वह पुनः घायल हो गए, फिर भी, उनका दृढ़-निश्चय डिगा नहीं तथा एक अतिमानव की तरह इन्होंने गुत्थम-गुत्था की लड़ाई में उस आतंकवादी का हथियार छीन लिया और बहुत-ही नजदीक से उसे भी मार गिराया । उसके बाद अत्यधिक रक्त स्राव के कारण यह वीर सिपाही शीघ्र ही वीरगति को प्राप्त हो गया ।

राइफलमैन भूपेन्द्र सिंह ने आतंकवादियों से लड़ने में कर्त्तव्य से बढ़कर वीरता और दृढ़-निश्चय का प्रदर्शन किया तथा भारतीय सेना की उच्च परम्पराओं के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान दिया ।

4. **4559439 हवलदार रथवा गोरधन भाई कालजी भाई,**
11 महार रेजिमेंट (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 04 जून, 2004)

04 जून, 2004 को 0200 बजे, हवलदार रथवा गोरधन भाई कालजी भाई को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक घात टुकड़ी का नेतृत्व करते समय तीन आतंकवादियों की गतिविधियों का पता चला । अनुकरणीय नेतृत्व-कौशल का प्रदर्शन करते हुए इन्होंने कड़ी घेराबंदी के लिए पास की घात-टुकड़ियों से सम्पर्क कर उन्हें पुनः तैनात किया । इन्होंने उस क्षेत्र के ऊपर अचूक इलूमिनेशन फायर करने का निर्देश दिया और भोर होने तक आतंकवादियों को सफलातपूर्वक दबोचे रखा ।

भोर होने पर, इन्होंने तीन आतंकवादियों को भागने का प्रयास करते हुए देखा । एक असाधारण वीरतापूर्व कार्रवाई में, गोलियों की बौछार की परवाह किए बिना, यह रेंगते हुए आतंकवादियों के समीप पहुंच गए और एक आतंकवादी को नजदीक से मार गिराया । इस प्रक्रिया में, वह आतंकवादियों की गोलीबारी की चपेट में भी आ गए । जख्मी हो जाने के बावजूद, इन्होंने दूसरे आतंकवादी को घातक रूप से जख्मी कर दिया और अपने जख्मों के कारण वीरगति को प्राप्त होने से पहले अपने दल को तीसरे आतंकवादी के ठिकाने का संकेत दे दिया । दुर्दांत आतंकवादियों के उस गुट का सफाया करने में उनका वीरतापूर्ण कार्य न केवल सहायक था, अपितु इससे बाद में किए गए आपरेशनों में उस गुट के अन्य तीन आतंकवादियों का सफाया करने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ ।

हवलदार रथवा गोरधन भाई कालजी भाई ने भारी गोलीबारी में अदम्य साहस, सामिरक सूझ-बूझ तथा अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान दिया ।

5. **3185156 नायक ईश्वर सिंह**
16 जाट रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 18 जून, 2004)

18 जून, 2004को, नायक ईश्वर सिंह नार्थ सेक्टर में नियंत्रण रेखा के निकट गुरेज सेक्टर में एक घात-टुकड़ी के सदस्य थे । अधिक ऊंचाई पर यह भू-भाग ऊबड़-खाबड़ तथा घने जंगलों तथा झाड़-झंखाड़ वाला है, जो घुसपैठ के लिए सरल तथा आपरेशन के लिए कठिन है । रात्रि के समय वर्षा हो रही थी तथा अत्यधिक ठंड पड़ रही थी । लगभग 2200 बजे, इन्होंने आतंकवादियों की गतिविधियां देखी । इन्होंने दल के शेष सदस्यों को सावधान कर दिया और घात लगाकर झपटने से पहले आतंकवादियों के निकट आने का इंतजार किया । दो आतंकवादी रात में मार गिराए, जबकि अन्य आतंकवादी तितर-बितर हो गए और सैन्य-टुकड़ियों पर गोलीबारी शुरू कर दी । नायक ईश्वर सिंह ने गोलाबारी को नियंत्रित किया तथा अपने दल को पुनः व्यवस्थित किया

और आंतकवादियों को संपर्क तोड़ने का मौका न देते हुए उन से उलझ पड़े । भोर होने पर, घात दल आतंकवादियों की कारगर गोलीबारी की चपेट में आ गया । नायक ईश्वर सिंह ने अन्य साथियों को आतंकवादियों को उलझाने का आदेश दिया । आतंकवादियों की भारी गोलीबारी के बावजूद, वह उनके पीछे पहुंचे तथा दो आतंकवादियों को मार गिराया, जबकि तीसरा आतंकवादी भागने लगा । अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, नायक ईश्वर सिंह उस ऊबड़-खाबड़ भू-भाग में भाग रहे आतंकवादी के पीछे दौड़े और उसे मौत के घाट उतार दिया ।

नायक ईश्वर सिंह ने आतंकवादियों से लड़ते समय उच्चकोटि का साहस, असाधारण नेतृत्व, सूझ-बूझ और निःस्वार्थ भाव का प्रदर्शन किया ।

6. **14907560 हवलदार चंद्र बहादुर गुरुंग**
मेकानाइज्ड इन्फैंट्री/ 9 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 04 जुलाई, 2004)

04 जुलाई, 2004 को, जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग जिले के एक गांव में घेराबंदी तथा तलाशी आपरेशन चलाया गया । हवलदार चंद्र बहादुर गुरुंग उस घेराबंदी दल में शामिल थे ।

0430 बजे, आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी करके घेराबंदी तोड़ने का प्रयास किया । आमने-सामने की लड़ाई के दौरान हवलदार गुरुंग ने काफी नजदीक से एक आतंकवादी को मार डाला । अन्य आतंकवादियों ने स्टॉप पर ग्रेनेड फेंके तथा भागने के लिए अंधाधुंध गोलाबारी करने लगे । इस गोलीबारी में इनके साथी के दाहिने कंधे में गोली लग गई । अपने साथी की जान के लिए खतरा भांपते हुए, हवलदार गुरुंग आड़ लेते हुए रेंगकर आगे बढ़े और आतंकवादियों पर एक ग्रेनेड फेंका । साथ ही स्वयं को घोर जोखिम में डालते हुए वह आतंकवादियों पर टूट पड़े तथा एक अतिमानव की तरह एक आतंकवादी से उनकी गुत्थम-गुत्था हो गई । इन्होंने आतंकवादी के सिर से स्क्त की धारा बहा दी, जिसकी पहचान बाद में आतंकवादियों के जिला कमांडर के रूप में की गई । इन्होंने दो आतंकवादियों को भागने का प्रयास करते हुए देखा । सूझ-बूझ का परिचय देते हुए, इन्होंने अपना मोर्चा बदला और भाग रहे आतंकवादियों से उलझ पड़े तथा उनमें से एक को घायल कर दिया । इस घमासान लड़ाई में, हवलदार गुरुंग के सिर में एक गोली लग गई और अपने जख्मों के कारण वे वीरगति को प्राप्त हो गए । सर्वोच्च बलिदान देने से पहले, इन्होंने रेडियो सेट पर अपने कंपनी कमांडर से संपर्क किया तथा अन्य दो आतंकवादियों के बारे में बताया जो तब तक गांव में वापस भाग गए थे ।

इस प्रकार, हवलदार चंद्र बहादुर गुरुंग ने अदम्य साहस, दृढ़-निश्चय, सखा-भाव का प्रदर्शन किया और अपने कर्त्तव्यों का निर्वाह करने में सर्वोच्च बलिदाल दिया ।

जीएस-175480 एल आपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी रमेशन जे (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 13 जुलाई, 2004)

371 सड़क अनुरक्षण प्लाटून के आपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी रमेशन जे को 114 सड़क निर्माण कंपनी (जी आर ई एफ) के साथ अटैच किया गया था तथा बसोली-बनी-भदरवाह सड़क पर 148.000 से 149.000 कि.मी. के बीच फार्मेशन कटिंग कार्य में सुधार करने के लिए बी डी-80 डोजर के साथ तैनात किया गया था । बसोली-बनी भदरवाह जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले का आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है ।

13 जुलाई, 2004 को 1230 बजे बसोली-बनी-भदरवाह सड़क पर, जब आपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी रमेशन अपने साथी कामगारों के साथ कार्य-स्थल पर मध्याह्न-भोजन कर रहे थे, तभी अचानक आतंकवादियों का एक समूह प्रकट हुआ और उन्हें घेर लिया । आंतकवादियों ने बंदूक की नोक पर आपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी रमेशन और 3 दिहाड़ी मजदूरों को अपने साथ चलने का आदेश दिया । आपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी रमेशन आतंकवादियों का इरादा भांपते हुए तथा अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह किये बिना एक आतंकवादी पर कूद पड़े और उसका हथियार छीनने के लिए उसके साथ गुत्थम-गुत्था हो गये तथा चिल्लाकर साथी बंधकों को भाग जाने के लिए कहा । इस प्रक्रिया में, अन्य आतंकवादियों ने सभी बंधकों पर गोलीबारी कर दी, जिसमें आपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी रमेशन तथा दो दिहाड़ी मजदूरों को अपने प्राणों से हाथ धोने पड़े, किंतु तीसरा दिहाड़ी मजदूर, हाथा-पाई का लाभ उठाते हुए गोली लगने से जख्मी हो जाने के बाबजूद, उस स्थान से भागने में सफल हो गया । हाथा-पाई और बंदुक चलने की आवाज ने वहां कार्यरत अन्य दिहाड़ी मजदूरों और जी आर ई एफ कार्मिकों के लिए चेतावनी का कार्य किया जिससे वे सुरक्षित स्थानों पर पनाह ले सके और उनके प्राण बच सके । इसके अलावा, बंदूक चलने की आवाज से नजदीक ही तैनात सुरक्षा बल सतर्क हो गए और घटना-स्थल की ओर भाग सके, जिससे सरकारी संपत्ति का नुकसान होने से बचा लिया गया ।

इस प्रकार, आपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी रमेशन जे ने आतंकवादियों से लड़ने में वीरता, निर्भीक साहस, सूझ-बूझ, दृढ़-निश्चय का प्रदर्शन किया तथा सर्वोच्च बलिदान दिया ।

8. **श्री बहादुर सिंह, हिमाचल प्रदेश (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 जुलाई, 2004)

14 जुलाई, 2004 को, पत्र पेटिका चपरासी एवं टेलीग्राम संदेशवाहक श्री बहादुर सिंह को दो अन्य अधिकारियों की देख-रेख में स्टेट बैंक ऑफ पटियाला में 5,90,000/- रुपए की नगद राशि से भरा एक कैश बैग पहुंचाने का कार्य सौंपा गया था । रास्ते में, पीछे से स्कुटर पर सवार दो

युवक आए और बंदूक की नोक पर उससे बैग छीननें का प्रयास किया । बाजू में गोली लगने के बावजूद श्री बहादुर सिंह ने इस प्रयास का विरोध किया तथा अपनी जान की परवाह किए बिना बैग को बचाने की कोशिश की । यह घटना व्यस्त बाजार वाले इलाके में दिन में लोगों के बिल्कुल सामने हुई थी, किंतु श्री बहादुर सिंह की सहायता के लिए कोई आगे नहीं आया और वह अकेले ही बहादुरी के साथ लड़ते रहे । हमलावर उसको मारने के बाद ही बैग छीनने में कामयाब हो सके ।

श्री बहादुर सिंह ने हमलावरों से लड़ने में असाधारण वीरता, अदम्य साहस, अनुकरणीय कर्त्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया तथा अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया ।

9. **आई सी-50850 मेजर गौरव ऋषि, से. मे.,**
9 पैरा (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **04 अक्तूबर, 2004**)

मेजर गौरव ऋषि, जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिला में एक आपरेशन के दौरान बटालियन टीम के कमांडर थे ।

अपनी टीम के नेतृत्व के दौरान मेजर गौरव के स्क्वॉड पर एक ऊंचे ठिकाने से आतंकवादियों के एक दल ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी । अपने आदमियों के लिए गंभीर खतरे को भांपते हुए मेजर गौरव अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना अडिग साहस और आक्रमकता का परिचय देते हुए आतंकवादियों पर टूट पड़े । मेजर गौरव ने एक साहसिक आक्रमण में नजदीक से एक आतंकवादी को गोली मार दी । अन्य आतंकवादियों ने मेजर गौरव की ओर अंधाधुध गोलीबारी शुरू कर दी । एक सच्चे कमांडों की भावना से ओतप्रोत इस नए आक्रमण से अविचलित तथा अनवरत दृढ़-निश्चय का परिचय देते हुए वे खतरनाक क्षेत्र से रेंगकर आगे बढ़े और बिल्कुल नजदीक से एक और आतंकवादी को मार गिराया । मेजर गौरव के लगातार आक्रमण को रोकने के लिए तीसरे आतंकवादी ने उन पर हथगोला फैंका । बिना डरे यह बहादुर अफसर उस पर टूट पड़ा तथा उसको जमीन पर पटकनी देकर अपने कमांडो चाकू से उसको मार डाला ।

मेजर गौरव ऋषि, से.मे. ने आतंकवादियों से लड़ने में प्रेरक नेतृत्व, अडिग निश्चय तथा विशिष्ट बहादुरी का परिचय दिया ।

10. **आई सी-58637 मेजर थोंगम जोतेन सिंह**
21 पैरा (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **08 अक्तूबर, 2004**)

मेजर थोंगम जोतेन सिंह मणिपुर के एक गांव में, तलाशी तथा सफाया अपरेशन के दौरान एक टीम को कमांड कर रहे थे ।

8 अक्तूबर, 2004 को तलाशी पार्टी पर भारी गोलीबारी हुई जिसमें एक जवान की मौत हो गई । मेजर टी जे सिंह तुरंत घटना स्थल की ओर दौड़े तथा शीघ्रता से स्थिति को समझकर अपनी टीम के एक सैनिक के साथ दौड़ते हुए आतंकवादियों के बगल से होकर आगे बढ़े । उन्होंने तुरंत ही स्थिति का विश्लेषण किया तथा आतंकवादियों को पछाड़ने के लिए एक योजना बनाई । फुर्ती और दृढ़ता के साथ कार्य करते हुए तथा भू-भाग और बाधित दृश्यता का फायदा उठाते हुए मेजर टी जे सिंह अपनी पार्टी के साथ तुरंत आगे बढ़े और रणनीतिक आश्चर्य का प्रदर्शन करते हुए, आतंकवादियों के ठिकाने के निकट गए जबकि उनकी टीम के सैनिक बाजू से आगे बढ़ते रहे । आतंकवादी मेजर टी जे सिंह की ओर आगे बढ़े तथा गोलीबारी शुरू करके सम्पूर्ण पार्टी को घेर लिया । सैनिकों के प्रति खतरे को भांपते हुए मेजर टी जे सिंह व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादियों की ओर आगे बढ़े । तीन घंटे तक रुक-रुक कर भारी गोलीबारी हुई और उसमें चार आतंकवादी मारे गए । स्वयं मेजर टी जे सिंह ने दो आतंकवादियों को मार गिराया ।

मेजर थोंगम जोतेन सिंह ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में असाधारण वीरता, अनुकरणीय नेतृत्व, अदम्य साहस तथा कर्त्तव्य के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया ।

11. **आई सी-61357 कैप्टन नेक्टर सनजेनबम**
21 पैरा (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **08 अक्तूबर, 2004**)

8 अक्तूबर, 2004 को कैप्टन नेक्टर सनजेनबम ने दक्षिणी मणिपुर के जनरल एरिया क्षेत्र में माउंट ब्रिगेड आपरेशन के भाग के रूप में एक कालम के साथ तलाशी तथा सफाया मिशन हेतु अपनी टीम का नेतृत्व किया था । तलाशी के दौरान, जंगल में आतंकवादियों के छिपने के संदिग्ध ठिकाने पर पहुँचते समय कैप्टन नेक्टर की अग्रणी सैन्य टुकड़ी पर स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी हो गई जिसमें अग्रणी स्कॉउट मारा गया । भारी गोलीबारी से निर्भीक कैप्टन नेक्टर स्वयं आगे बढ़े तथा एक आतंकवादी को तुरंत मार डाला, इस प्रकार आतंकवादियों को भागने पर मजबूर कर दिया और हताहत को सुरक्षित ठिकाने पर लाया जा सका । अपनी पहलशक्ति तथा सूझबूझ से वे इसके बाद शीघ्र ही दूसरी पार्टी की सहायता करने के लिए आगे बढ़े जो बाजू से आतंकवादियों के अन्य समूह का पीछा करते वक्त भारी गोलीबारी में घिर गई थी । पार्टी को नाजूक स्थिति में देखकर, अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना वे शत्रु की गोलीबारी के सामने आ गए तथा दूसरी तरफ से आतंकवादियों के निकट पहुंच एक और आतंकवादी को मार गिराया और निकट की गोलीबारी में एक अन्य को घायल कर दिया । इनके साहसिक कार्रवाई से प्रेरित होकर एक दूसरी पार्टी ने आतंकवादियों को घेर लिया तथा उनमें से पांच को मार गिराया ।

कैप्टन नेक्टर सनजेनबम ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में अनुकरणीय नेतृत्व तथा अडिग साहस का परिचय दिया ।

12. **ग्रुप कैप्टन विवेक विकाश बंदोपाध्याय, वी.एम. (15863) फ्लाइंग (पायलट)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **26 दिसंबर, 2004**)

26, दिसंबर, 2004 को वायुसेना स्टेशन कारनिकोबार, रियक्टर स्केल पर 9.1 माप वाले भंयकर भूकंप से नष्ट हो गया था जो दस से पंद्रह मिनट चला था जिसके बाद सुनामी लहरें आई । आपदा के आते ही, ग्रुप कैप्टन बंदोपाध्याय ने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना वायुसेना स्टेशन के सभी पहुंच सकने वाले भागों पर गए तथा सुरक्षित क्षेत्रों पर जाने के लिए लोगों का मार्गदर्शन किया । जब वे स्टोशन पर चारों ओर घूम रहे थे तो उन्हें हेलिकॉप्टर यूनिट के सी ओ मिले जिनसे इन्होंने तुरंत हेलिकॉप्टर उड़ान भरने के लिए अनुरोध किया । इसके फलस्वरूप तुरंत बचाव आपरेशन शुरू हुआ और अंततः सैंकड़ों जिंदगियां बच गई । इसी दौरान, उन्होंने भी डूबे क्षेत्र में प्रवेश किया तथा संकटग्रस्त बच्चों को बचाया । चूंकि विशाल सुनामी लहरें क्षेत्र की ओर आगे बढ़ रही थी, उन्होंने अनेक महिलाओं और बच्चों को अपने वाहन में बिठाया और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया । इस प्रक्रिया के दौरान वह भी लहरों की चपेट में आकर बह गए । किसी तरह पेड़ पकड़कर कई घंटे खड़े रहे और अपनी जान बचाई जब पानी उतरा, उन्होंने तलाशी तथा बचाव का मिशन जारी रखा और पीड़ित लोगों को सहायता उपलब्ध करायी । इस आपदा के दौरान उन्होंने अनुकरणीय साहस तथा हिम्मत का प्रदर्शन किया ।

आपदा के बाद, उन्होंने स्टेशन में उपलब्ध हेलिकॉप्टरों द्वारा शुरू किए जाने वाले बचाव मिशनों की पहल की । अल्प समयावधि में ही, हेलिकॉप्टरों से लगभग 350 कार्मिक निकाले गए तथा उन्हें ऊंचे स्थानों पर सुरक्षित लाया गया । साथ ही साथ, उन्होंने घायल अथवा मृत लोगों की तलाश करने के लिए दल बनाए तथा खोजी पार्टियां बनाई । उन्होंने मृतकों की उचित सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की व्यवस्था की । चिकित्सा दल की सहायता से उन्होंने कोई महामारी न फैले इसके सभी समुचित कदम उठाए ।

ग्रुप कैप्टन विवेक विकाश बंदोपाध्याय, वी.एम. ने बड़ी आपदा में व्यक्तिगत आघात के बावजूद साहस, नेतृत्व तथा वीरता का प्रदर्शन किया ।

13. **स्क्वॉड्रन लीडर पुल्लुवलियिल रामन सुधाकर पानिकर (23634), शिक्षा**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **26 दिसंबर, 2004**)

26 दिसंबर, 2004 को, वायुसेना स्टेशन कारनिकोबार, भंयकर भूंकप और बाद में आई सुनामी लहरों से नष्ट हो गया । स्क्वॉड्रन लीडर सुधाकर इस भंयकर कोप से बच नहीं सके तथा

जवारीय लहरों में बह गए । वे अपनी जान बचाने के लिए पेड़ के तने से चिपके रहे जो जमीन पर सुरक्षित पहुंचने से पहले लगभग एक घंटे तक बहता रहा ।

सुनामी लहरों के कहर से बचने के तुरंत बाद, उन्होंने बचाव दल को पुनर्गठित किया तथा जिंदा बचे लोगों को ढूंढने तथा मृतकों के शवों को बरामद करने और उनकी पहचान करने का कठिन कार्य शुरू किया । वे बचे हुए लोगों को ढूंढने के लिए स्वयं कई बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में गए । मलबे से ढके क्षेत्र, अस्थिर भवनों सरीसृपों तथा सुनामी से खिसक गई कॉस्टलाइन में बचे हुए लोगों की तलाश करना एक ऐसा कार्य था जिसमें किसी व्यक्ति को अपने आतंरिक साहस से बहुत कुछ जुटाने की अपेक्षा होती है । स्क्वॉड्रन लीडर सुधाकर, उन कुछेक में से एक थे जो व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना ऐसा कार्य करने का साहस जुटा सकते थे । इसके बाद उन्होंने भयभीत जिंदा बचे कार्मिकों, परिवारों तथा सिविलियनों को व्यवस्थित समूह में इकट्ठा किया ताकि उनकी "गिनती" की जा सके तथा तात्कालिक रूप से जरूरत मंद लोगों को तुरन्त चिकित्सा सहायता/भोजन वितरित किया जा सके । अगले कुछ दिनों में, स्क्वॉड्रन लीडर सुधाकर ने पहचान करने, दस्तावेज बनाने तथा शवों का अंतिम संस्कार करने का अत्यधिक कठिन कार्य किया । बुरी तरह से सड़े शवों को निपटाने के कार्य को स्वेच्छा से अधिक लोग नहीं करते । स्क्वॉड्रन लीडर सुधाकर ने इस अप्रिय परंतु अत्यावश्यक कार्य में मदद करने के लिए अफसरों तथा वायुसैनिकों के दल को प्रोत्साहित किया ।

स्क्वॉड्रन लीडर पुल्लुवलियिल रामन सुधाकर पानिकर ने कठोर आपदा में अनुकरणीय साहस तथा कर्त्तव्यपरायणता से बढ़कर वीरतापूर्ण कार्य का प्रदर्शन किया ।

14. **स्क्वॉड्रन लीडर सुशील विजय संसारे (23770)**
फ्लाइंग (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **26 दिसंबर, 2004**)

26 दिसंबर 2004 को 0630 बजे, कारनिकोबार में जोरदार भूकंप और उसके बाद सुनामी लहरें आई । सुनामी के कहर के दौरान और इसके बाद, स्क्वॉड्रन लीडर सुशील विजय संसारे, जानों को बचाने तथा बचाव और राहत आपरेशनों के सुरक्षित संचालन में व्यस्त थे । प्रथम लहर के आक्रमण के बाद वे बहादुरी से छाती तक गहरे पानी में इमारतों में फंसे परिवारों की सहायता के लिए गए । दूसरी लहर के प्रहार पर, उन्होंने बड़ी मुश्किल से गले तक गहरे पानी में अपना बचाव किया तथा टारमक की ओर दौड़कर जान बचाई । उन्होंने चालकदल को विमान रनवे पर लाने के लिए अनुदेश दिया । तब वे सरीसृपों से संक्रमित गर्दन तक गहरे पानी में रनवे के पानी में डूबे दूसरे छौर तक गए तथा 15 संकटग्रस्त परिवारों की सहायता की जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे थ और उन्हें सुरक्षित ऊंचे स्थान पर पहुंचाया । उन्होंने लगभग मृतप्रायः दो कार्मिकों को बरामद किया तथा उन्हें एंबुलेंश पर पहुंचाया, तथापि, उनके भरसक प्रयासों के बावजूद उनको

नहीं बचाया जा सका । इन्होंने स्क्वॉड्रन भू-चालक दल की सहायता से आई ओ सी मैनेजर के शव को मलबे से निकाला । उन्होंने सभी संचार उपस्करों तथा ईंधन टैंकरों को बचाने तथा हेलिकॉप्टरों में पुनः ईंधन भरने के लिए टारमक के पास लाने के लिए ए टी सी कार्मिकों को पुनर्गठित किया ताकि बचाव आपरेशन निर्बाध गति से चलता रहे और असहाय लोगों के लिए उड़ान जारी रह सके । तलाशी तथा बचाव कार्य में उनके अथक प्रयासों तथा हताहतों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने/राहत आपरेशनों में समर्पित होने के फलस्वरूप कई जीवन बचे । यह 'स्वयं से पहले सेवा' की भावना का प्रदर्शन है ।

15. **स्क्वॉड्रन लीडर तम्मेनेनी श्रीनिवासुलु (24567)**
प्रशासन/फाइटर कंट्रोलर

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 26 दिसंबर, 2004)

26 दिसंबर, 2004 को, वायुसेना स्टेशन, निकाबार जोरदार भूकंप तथा उसके बाद सुनामी लहरों से ध्वस्त हो गया । बढ़ती लहरों को देखकर, स्क्वाड्रन लीडर तम्मेनेनी श्रीनिवासुलु ने तुरंत अन्यों को चेतावनी दी तथा उन्हें रनवे की तरफ जाने की सलाह दी क्योंकि यह तुलनात्मक दृष्टि से ऊंचा था । दूसरों की सहायता करने की इस प्रक्रिया के दौरान, वे स्वयं अपने जीवन को जोखिम में डालकर अशान्त पानी में गए ।

स्वयं को बचाने के बाद, जब वे रनवे की ओर बढ़ रहे थे उन्हें सहायता के लिए चीखें सुनाई दी । जीवित बचे लोगों को ढूंढ़ने तथा उनकी सहायता करने के लिए वे जलमग्न क्षेत्रों में चले गए । मलबे से ढ़के क्षेत्र में अस्थिर इमारतों तथा सुनामी से खिसक गए कोस्टलाइन में जिंदा बचने वालों की तलाश करना एक ऐसा कार्य था जिसके लिए किसी व्यक्ति में बड़ी हिम्मत जुटाने की जरूरत होती है । उन्होंने पानी में पुनः प्रवेश किया और कुछ जीवितों को बचाया, जिसमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे जो पेड़ों पर लटक रहे थे तथा उन्हें ऊंचे स्थान पर सुरक्षित पहुंचाया । उनके द्वारा बचाए गए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद उन्होंने उन लोगों की तलाश शुरू की जो अब भी जीवित हो सकते हैं । इस प्रक्रिया के दौरान, उनके पैर में गहरे घाव सहित उनके शरीर पर कई घाव हो गए । घावों तथा अशांत पानी से घबराए बिना स्क्वाड्रन लीडर तम्मेनेनी श्रीनिवासुलु ने तलाश जारी रखी तथा उन्होंने पहले ही दिन समुद्र में पुनः बह जाने से पूर्व तीन शवों को बरामद किया ।

स्क्वाड्रन लीडर तम्मेनेनी श्रीनिवासुलु ने कड़ी आपदा में व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना मानव सेवा में अनुकरणीय नैतिक तथा शारीरिक साहस का प्रदर्शन किया ।

16. **फ्लाइट लेफ्टिनेंट आरिसेट्टी विजय कुमार (25358)**
फ्लाइंग (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **26 दिसंबर, 2004**)

26 दिसंबर, 2004 को, वायुसेना स्टेशन, कारनिकोबार भयंकर भूकंप तथा इसके बाद सुनामी लहरों से नष्ट हो गया । अल्प समय में ही, खतरनाक लहरों ने समूचे क्षेत्र को निगल लिया । फ्लाइट लेफ्टिनेंट आरिसेट्टी विजय कुमार ने विनाशकारी लहरों के खतरे को भांपते हुए कार्मिकों को बचाने के लिए अपने जीवन को खतरे में डाल दिया । यह जानते हुए कि किसी प्रकार के विलंब के कारण उनका अपना जीवन खतरे में पड़ सकता था, वह संकटग्रस्त कार्मिकों की ओर दौड़े तथा उनको रनवे पर ले गए जो कि एयरफील्ड का उच्चतम स्थान था । उनके साहसिक तथा बहादुरीपूर्ण कार्य से कई कार्मिकों के जीवन को बचाने में मदद मिली । प्रलयकारी सुनामी के बाद समग्र वायुसेना स्टेशन, जीवन तथा संपत्ति की अत्यधिक हानि के कारण भारी सदमे में था । इमारतें गिर गईं और पेड़ उखड़ गए । इसके तुरंत बाद फ्लाइट लेफ्टिनेंट विजय कुमार ने बचाव मिशन के लिए अविलम्ब हेलिकॉप्टर स्टार्ट किया । कठिन उड़ान परिस्थितियों तथा सीमित सुरक्षा अंतर के बीच उन्होंने कमांडिंग अफसर के सह-पायलट के रूप में उड़ान भरकर अव्वल दर्जे के साहस का परिचय दिया तथा स्वयं के जीवन को जोखिम में डालकर बचाव कार्य जारी रखा । वह लगातार तीन घंटे तक हेलिकॉप्टर उड़ाते रहे । थकान तथा अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में उड़ने के खतरे से निर्भीक फ्लाइट लेफ्टिनेंट विजय कुमार ने सभी विषमताओं और कठिनाइयों के बावजूद बचाव कार्य किया । यद्यपि उड़ान के लिए सुरक्षा अंतर खतरनाक ढंग से कम थे फिर भी उन्होंने उड़ान भरने की हिम्मत की तथा छतों, बालकॉनियों और रेडार रैंप, जो कि अत्यधिक प्रतिबंधित क्षेत्र है, से संकटग्रस्त कार्मिकों को उठा कर बचाया । प्राकृतिक आपदा के समय उनके कार्य अन्यों के लिए, जिन्होंने आगे कार्मिकों को बचाने में उनका अनुसरण किया, मनोबल को प्रेरित करने वाले थे ।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट आरिसेट्टी विजय कुमार ने प्राकृतिक आपदा के दौरान अत्यधिक विषम परिस्थितियों में अन्य साथियों द्वारा अनुसरण योग्य अडिग साहस, वीरता तथा निःस्वार्थ समर्पण का प्रदर्शन किया ।

17. **जीओ-2757एफ सहायक कार्यकारी इंजीनियर (इलैक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल)**
तपन कुमार साहू

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **07 फरवरी, 2005**)

07 फरवरी, 2005 को प्रातः 02.30 बजे जवाहर सुरंग के उत्तरी प्रवेश द्वार पर हिमस्खलन हुआ जिससे उत्तरी प्रवेश द्वार भारी बर्फबारी से ढक गया । आईटीबीपी के रिइन्फोर्स्ड प्लास्टिक शेल्टरों में से दो हिमस्खलन की चपेट में आ गए तथा अंदर सो रहे आईटीबीपी के जवान भारी बर्फ में दब गए । उत्तरी प्रवेश द्वार पर स्थिति नियंत्रण कक्ष

से सूचना मिलने पर श्री तपन कुमार साहू, सहायक कार्यकारी इंजीनियर (इलैक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल) ने आदमियों को एकत्रित किया तथा खुदाई करने वाले औजारों तथा उपस्करों के साथ उस स्थान की ओर दौड़ पड़े, जहां पर एफआरपी शेल्टर दबे पड़े थे । भारी बर्फबारी तथा और अधिक हिमस्खलन के खतरे के सामने उन्होंने आदमियों को प्रेरित किया तथा घुप अंधेरे में बर्फ हटाने का कार्य शुरू किया । यद्यपि उनकी जान को बराबर खतरा बना हुआ था फिर भी श्री साहू ने बचाव ऑपरेशन जारी रखा तथा 0600 बजे तक पांच आईटीबीपी कार्मिकों को बर्फ से जिंदा निकाला । जैसे ही वे आईटीबीपी के और कार्मिकों की तलाश में आगे की बर्फ हटा रहे थे तो उन्हें चार आईटीबीपी कार्मिकों के शव बरामद हुए । इस कार्य के दौरान, 0630 बजे एक और हिमस्खलन उत्तरी प्रवेश द्वार से टकराया । खतरनाक तथा थकाऊ ऑपरेशन पहले ही पूरा करने के बावजूद उन्होंने स्वयं बर्फ काटने वाली मशीन रोल्बा चलाकर थोड़े ही समय में रोड को चालू कर दिया ताकि संकटग्रस्त आईटीबीपी के कार्मिकों को निकटतम चिकित्सा केंद्र तक पहुंचाया जा सके । अपना व्यक्तिगत अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करके वह अपनी कमान के अधीन कार्यरत अन्य जीआरईएफ के कार्मिकों को प्रेरित करने में सक्षम रहे ।

इस प्रकार श्री तपन कुमार साहू ने अमूल्य मानव जीवनों को बचाने के लिए बर्फबारी तथा हिमस्खलन की विषम परिस्थितियों में अडिग साहस, अनुकरणीय नेतृत्व तथा कर्त्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया ।

18. **जीएस-167226एम ओवरसियर सुकुमार शर्मा**
(मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **18 फरवरी, 2005**)

159 फॉरमेशन कटिंग प्लाटून (जीआरईएफ) के ओवरसियर सुकुमार शर्मा को जवाहर सुरंग की डाइवर्जन ट्यूब के निकट जम्मू-श्रीनगर रोड, जो भारी हिमपात के कारण बंद हो गया था, को खोलने के लिए बर्फ हटाने के कार्य पर तैनात किया गया था। जम्मू-कश्मीर राज्य गत फरवरी, 2005 में भारी प्राकृतिक आपदा से बुरी तरह प्रभावित हुआ था जिसमें कई लोगों की जानें चली गई थीं । कश्मीर घाटी के लिए यातायात को खोलना अत्यधिक प्राथमिक कार्य था जिसमें सीमा सड़क संगठन के कार्मिकों को 18 फरवरी, 2005 को राष्ट्रीय राजमार्ग पर से बर्फ हटाने के लिए तैनात किया गया था । उसी दिन 1400 बजे जवाहर सुरंग की डाइवर्जन ट्यूब पर हिमस्खलन हुआ जहां पर जीआरईएफ के कार्मिक यातायात हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-1ए, जो पहले हुए हिमस्खलन के कारण बंद हो गया था, को खोलने का प्रयास कर रहे थे । जब श्री शर्मा ने देखा कि उनके साथी हिमस्खलन के नीचे फंस रहे हैं तो उन्होंने ओईएम नवेन्द्र कुमार को तुरंत बचाव ऑपरेशन चलाने के लिए घटनास्थल की ओर डॉजर लाने का आदेश दिया । जब श्री शर्मा डॉजर के साथ घटनास्थल की ओर बढ़ रहे थे तो जवाहर सुरंग की डाइवर्जन ट्यूब के पास एक और हिमस्खलन टकरा गया । वे हिमस्खलन में फंस गए तथा अपने आप को बचा नहीं सके तथा 18-20 फीट नीचे बर्फ में दब गए । आरआर, जीआरईएफ तथा एचएडब्ल्युएस के कार्मिकों द्वारा श्री सुकुमार शर्मा को जीवित

बचाने के लिए तलाश/बचाव के बेहतरीन प्रयासों के बावजूद उनका शव केवल 24 फरवरी, 2005 को ही बरामद किया जा सका ।

ओवरसियर सुकुमार शर्मा ने अपनी ड्यूटी करते समय अनुकरणीय बहादुरी, उच्चतम स्तर की जिम्मेवारी का प्रदर्शन किया तथा सर्वोच्च बलिदान दिया ।

19. **जीएस-163891एक्स ड्राइवर मोटर ट्रांसपोर्ट-3 क्रिस्टॉफर. एफ (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : **18 फरवरी, 2005**)

18 फरवरी, 2005 को राष्ट्रीय राजमार्ग-1ए पर रामसु तथा काज़ीगंडो के बीच की सड़क भारी हिमपात से ढक गई तथा हिमपात लगातार होता रहा । जब 99 सड़क निर्माण कंपनी (जीआरईएफ) के अफसर कमांडिंग के साथ 760 बीआरटीएफ के कमांडर निरीक्षण कर रहे थे तो तेज आवाज के साथ शिखर से हिमस्खलन आ गिरा । चूंकि कमांडर के आदेश पर हरेक व्यक्ति सुरक्षार्थ सुरंग की ओर भाग रहा था, ड्राइवर मोटर ट्रांसपोर्ट-3 क्रिस्टॉफर. एफ जो लगभग जवाहर सुरंग में पहुंच ही गये थे तो उन्होंने देखा कि ड्राइवर लाल बहादुर बर्फ से निकलन का प्रयास कर रहा है । अपनी जान की परवाह किए बिना ड्राइवर क्रिस्टॉकर, ड्राइवर लाल बहादुर को बचाने के लिए दौड़ा । जब वह ड्राइवर लाल बहादुर को बचाने की कोशिश कर रहे थे तो उसी समय विपरीत दिशा से एक और हिमस्खलन दोनों व्यक्तियों पर आ गिरा और नीची पहाड़ियों की ओर बहा ले गया तथा वे भारी हिम के नीचे दब गए । एचएडब्ल्युएस दल द्वारा 23 फरवरी, 2005 को सम्यक तलाशी के बाद उनके शव बरामद किए ।

इस प्रकार ड्राइवर मोटर ट्रांसपोर्ट-3 क्रिस्टॉफर. एफ ने हिम झंझावात, बर्फबारी तथा हिमस्खलन की कठिन घड़ी में अपने कर्त्तव्य के प्रति विशाल साहस और समर्पण का परिचय दिया तथा अपने साथी का जीवन बचाने के प्रयास में सर्वोच्च बलिदान दिया ।

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 127-प्रेज/2005-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए **"सेना मेडल/आर्मी मेडल-बार"** प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-50836 मेजर नीरज शुक्ला, से.मे.
   8 जम्मू-कश्मीर राइफल
2. आईसी-55575 मेजर राजीव चौधरी, से.मे.
   पंजाब रेजिमेंट/ 22 राष्ट्रीय राइफल
3. आईसी-56449 कैप्टन संजय आर्या, से.मे.
   8 गोरखा राइफल, 25 असम राइफल (मरणोपरांत)
4. आईसी-62189 कैप्टन इन्द्रप्रीत सिंह ढिल्लो, से. मे.
   सेना सेवा कोर/14 जाट रेजिमेंट
5. 4072491 नायक किशोर कुमार, से.मे.
   गढ़वाल राइफल/36 राष्ट्रीय राइफल

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 128-प्रेज/2005-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए **"सेना मेडल/आर्मी मेडल"** प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-43262 कर्नल अनंथनारायण अरूण,
   ग्रनेडियर्स/55 राष्ट्रीय राइफल
2. आईसी-45023 कर्नल राजेन्द्र सिंह यादव,
   आर्मी एविएशन कोर/ 659 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन (आर एण्ड ओ)
3. आईसी-49229 मेजर शलेन्द्रा सिंह,
   राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल
4. आईसी-53153 मेजर सौरभ गुप्ता
   इंजीनियर्स/9 राष्ट्रीय राफइल
5. आईसी-53558 मेजर राजेश के कृष्णा
   इंजीनियर्स/44 राष्ट्रीय राइफल
6. आईसी-54095 मेजर अमित शर्मा,
   सेना सेना कोर/1 राष्ट्रीय राइफल
7. आईसी-55814 मेजर राजेश,
   पंजाब रेजिमेंट/22 राष्ट्रीय राइफल
8. आईसी-55975 मेजर आशीष हुड्डा
   9 पैरा (विशेष बल)
9. आईसी-56155मेजर दीपक कुमार दयाल
   12 मद्रास रेजिमेंट
10. आईसी-56329 मेजर ललित कुमार
    महार रेजिमेंट/1राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
11. आईसी-56687 मेजर अनिल कुमार त्रिपाठी
    सेना सेवा कोर/5राष्ट्रीय राइफल
12. आईसी-57550 मेजर मनमोहन सिंह
    जाट रेजिमेंट/22 असम राइफल

13. आईसी-57908 मेजर आशीष भल्ला
राजपूताना राइफल/18राष्ट्रीय राइफल
14. आईसी-57938 मेजर संकल्प विजय राऊत
कवचित कोर/14 राष्ट्रीय राइफल
15. आईसी-58688 मेजर भूपाल सिंह
5/3 गोरखा राइफल
16. आईसी-59013 मेजर सुदीप कुमार मिश्रा
इंजीनियर्स/ 3 राष्ट्रीय राइफल
17. आईसी-59097 मेजर शगफ शुजा खान
21 कुमाऊँ रेजिमेंट
18. एसएस-37263 मेजर मोहित सक्तावत
सिख लाइट इन्फैंट्री/2 राष्ट्रीय राइफल
19. एसएस-37334 मेजर एच शिरिश कुमार पिल्लै
11 महार रेजिमेंट
20. एसएस-37478 मेजर अमर सिंह कवात्रा
कवचित कोर/6 असम राइफल
21. एसएस-38309 मेजर राजीव यादव
1 नागा रेजिमेंट
22. आईसी-58892 कैप्टन विजय कुमार शाह
तोपखाना/49 राष्ट्रीय राइफल
23. आईसी-59072 कैप्टन संजय शर्मा
9 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल)
24. आईसी-60170 कैप्टन अमनिन्द्र सिंह बैन्स
1 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल)
25. आईसी-60217 कैप्टन जगबीर सिंह दलाल
सेना वायु रक्षा कोर/18 राष्ट्रीय राइफल
26. आईसी-60565 कैप्टन नीरज श्रीवास्तव
5/8 गोरखा राइफल
27. आईसी-61607 कैप्टन भरत सिंह
सेना सेवा कोर/16 मराठा लाइट इन्फैंट्री
28. आईसी-61651 कैप्टन अपूर्व भट्टनागर
1 जम्मू-कश्मीर राइफल
29. आईसी-62070 कैप्टन शशी भूषण सिंह
इंजीनियर्स/55 राष्ट्रीय राइफल
30. एससी-00309 कैप्टन प्यार सिंह भटोईया
24 पंजाब रेजिमेंट
31. एसएस-37980 कैप्टन विकास सधोत्रा
सेना वायु रक्षा कोर/ 9 राष्ट्रीय राइफल

32. एसएस-39325 कैप्टन शाम सिंह ललोत्रा
11 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री
33. आईसी-62062 लेफ्टिनेंट जामिनी भूषण दत्ता
1 नागा रेजीमेंट
34. आईसी-62105 लेफ्टिनेंट सुनील पंडिता
19 जम्मू-कश्मीर राइफल
35. आईसी-62926 लेफ्टिनेंट तेजिन्दर सिंह सन्धू
सेना सेवा कोर/16 ग्रेनेडियर्स
36. आईसी-63325 लेफ्टिनेंट आशुतोष कंवर
इलैक्ट्रॉनिक्स एण्ड मकैनिकल इंजीनियर्स कोर/
10 पैरा (विशेष बल)
37. आईसी-63540 लेफ्टिनेंट राजेन्द्र सिंह
सेना आयुध कोर/ 28 मद्रास रेजिमेंट
38. आईसी-64127 लेफ्टिनेंट आशीष सजगोत्रा
4 जाट रेजिमेंट
39. आईसी-64330 लेफ्टिनेंट राहुल रमेश पवार
इलैक्ट्रॉनिक्स एण्ड मकैनिकल इंजीनियर्स कोर/
1 नागा रेजिमेंट
40. एसएस-39853 लेफ्टिनेंट विनीत बाजपाई
2/1 गोरखा राइफल
41. एसएस-40364 लेफ्टिनेंट अनूप राणा
सेना आयुध कोर/ 1 नागा रेजिमेंट
42. जेसी-438070 सूबेदार एम मुनिराज
7 मद्रास रेजिमेंट
43. जेसी-590095 सूबेदार लेठखोलिम खोसांई
1 नागा रेजिमेंट
44. जेसी-239782 नायब रिसालदार राम लखन सिंह
कवचित कोर/ 37 राष्ट्रीय राइफल
45. जेसी-266547 नायब सूबेदार हरभजन सिंह
तोपखाना/193 फील्ड रेजिमेंट (मरणोपरांत)
46. जेसी-438950 नायब सूबेदार माधवन टी वी
19 मद्रास रेजिमेंट
47. जेसी-469364 नायब सूबेदार दलबीर सिंह
19 राजपूताना राइफल
48. 2982308 कम्पनी हवलदार मेजर सुभाष चन्द्र
राजपूत रेजिमेंट/ 23 राष्ट्रीय राइफल
49. 2481733 हवलदार मलकीत सिंह
9 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल)

50. 2585646 हवलदार सौन्दर मरीमुथु
12 मद्रास रेजिमेंट
51. 4067474 हवलदार जय सिंह
गढ़वाल राइफल/ 36 राष्ट्रीय राइफल
52. 4181053 हवलदार चन्द्र शेखर
21 कुमाऊँ रेजिमेंट (मरणोपरांत)
53. 13617099 हवलदार भूपाल सिंह
9 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल)
54. 13750116 हवलदार मघर सिंह
1 जम्मू-कश्मीर राइफल
55. 13755717 हवलदार भवानी दत्त
9 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल)
56. 2479806 नायक गुरबचन सिंह
25 पंजाब रेजिमेंट
57. 2596630 नायक पटचमलई वेंकट सुब्रमनियन
25 मद्रास रेजिमेंट (मरणोपरांत)
58. 2888020 नायक करतार सिंह
राजपूताना राइफल/ 9 राष्ट्रीय राइफल
59. 3393801 नायक मन्जीत सिंह
9 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल)
60. 4364138 नायक एच पी रोसांगपुया
6 असम रेजिमेंट
61. 13624498 नायक जेम्स लहुँगडिम
21 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)
62. 14918844 नायक नन्दीयाला श्रीनिवासूलू
1 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)
63. 2690115 लांस नायक सुरेन्द्र कुमार
2 ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट
64. 2891450 लांस नायक जगदीश सिंह राठौड़
राजपूताना राइफल/ 9 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
65. 3187544 लांस नायक राम देव
4 जाट रेजिमेंट
66. 9098217 लांस नायक सुरजीत कुमार
11 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री
67. 2799314 सिपाही मुडगे प्रकाश काशीनाथ
16 मराठा लाइट इन्फैंट्री (मरणोपरांत)

68. 2799750 सिपाही बिराजदार उत्तम गोविन्दराव
26 मराठा लाइट इन्फैंट्री (मरणोपरांत)
69. 3001295 सिपाही धर्मेन्द्र सिंह
राजपूत रेजिमेंट/ 23 राष्ट्रीय राइफल
70. 3403742 सिपाही रमनदीप सिंह
सिख रेजिमेंट/ 6 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
71. 4278395 सिपाही आशुतोष कुमार
बिहार रेजिमेंट/ 4 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
72. 4476007 सिपाही धनवीर सिंह
सिख लाइट इन्फैंट्री/ 2 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
73. 4573013 सिपाही गवई कैलास भाऊराव
महार रेजिमेंट/1 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
74. 7431350 सिपाही निर्मल नियोग
4 आसूचना कोर एवं एफएस कम्पनी
75. 2892113 राइफलमैन बलजीत सिंह
राजपूताना राइफल/ 9 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
76. 2893039 राइफलमैन गिरवर सिंह
राजपूताना राइफल/ 9 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
77. 2894879 राइफलमैन राजेश कुमार
राजपूताना राइफल/ 9 राष्ट्रीय राइफल
78. 2896570 राइफलमैन कृष्ण पाल सिंह
राजपूताना राइफल/ 9 राष्ट्रीय राइफल
79. 4079571 राइफलमैन सुनील कुमार
गढ़वाल राइफल/36 राष्ट्रीय राइफल
80. 5757536 राइफलमैन मदन रेऊले
5/8 गोरखा राइफल (मरणोपरांत)
81. 12974174 राइफलमैन जी एच मौहम्मद खान
जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री/
162 प्रादेशिक सेना बटालियन (मरणोपरांत)
82. 13761143 राइफलमैन खेम राज
8 जम्मू-कश्मीर राइफल
83. 2698615 ग्रेनेडियर अनिल मलिक
16 ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट

84. 2796707 पैराट्रूपर अल्ला साब
10 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

85. 4078227 पैराट्रूपर खेमानन्द
21 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल)

86. 13625831पैराट्रूपर शक्ति सिंह
1 पैरा रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 129-प्रेज/2005-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए **"नौसेना मेडल/नेवी मेडल"** प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. कैप्टन प्रमोद सिंह गहलोत (70215-बी)

2. कमांडर शैलेंद्र सिंह (03229-एन)

3. लेफ्टिनेंट कमांडर मनोज कुमार सिहं (03082-बी)

4. लेफ्टिनेंट कमांडर संदीप टण्डन (03642-ए)

5. लेफ्टिनेंट मुरलीधरण दोराई बाबू (04666-बी)

बरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 130-प्रेज/2005-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए **"वायुसेना मेडल/एयर फोर्स मेडल"** प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. ग्रुप कैप्टन उमेश कुमार शर्मा (17323) फ्लाइंग (पायलट)
2. विंग कमांडर सुब्रमनियम रवि वृधाचलम (18101) फ्लाईंग (पायलट)
3. विंग कमांडर भानु जौहरी (18831) फ्लाइंग (पायलट)
4. विंग कमांडर पेम्माराजू महेश्वर (19183) फ्लाइंग (पायलट)
5. विंग कमांडर मनीष गिरधर (20163) फ्लाइंग (पायलट)
6. विंग कमांडर तपेश शंकर (20444) फ्लाइंग (पायलट)
7. विंग कमांडर अशोक पान्डे (20521) फ्लाइंग (पायलट)
8. विंग कमांडर सचिन कपूर (21853) फ्लाइंग (पायलट)
9. स्क्वाड्रन लीडर समीर रंजन दास (24040) फ्लाइंग (पायलट)
10. स्क्वाड्रन लीडर सन्तोष कुमार यादव (25106) फ्लाइंग (पायलट)
11. फ्लाइट लेफ्टिनेंट देवव्रत जगदीश भंडारकर (25338) फ्लाइंग (पायलट)
12. 765876 सार्जेंट देवेन्द्र कुमार शर्मा, फ्लाइट गनर

अरुण मित्रा
निदेशक

संख्या 131-प्रेज/2005-राष्ट्रपति **रक्षा मंत्री** द्वारा **'सेनाध्यक्ष'** से प्राप्त **'डिस्पैच में उल्लेख'** के लिए निम्नलिखित अफसरों/कार्मिकों के नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने का आदेश देते हैं:-

ऑपरेशन पराक्रम

1. आईसी-45191 कर्नल राजेन्द्र सिंह शेखावत, से.मे., 19 राजपूताना राइफल
2. 5045403 नायक मन बहादुर राना, 5/1 गोरखा राइफल

ऑपरेशन रक्षक

3. आईसी-54857 मेजर ऐस्मानी श्रीनिवास, 5 गो.रा.(एफ एफ), 33 राष्ट्रीय राइफल
4. आईसी-58898 मेजर प्रवीण कुमार, 13 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री
5. जेसी-539290 नायब सूबेदार श्याम दत्त, कुमाऊं, 13 राष्ट्रीय राइफल
6. 2589873 हवलदार असातुल्ला इस्माइल, मद्रास, 8 राष्ट्रीय राइफल
7. 5752797 हवलदार मन काज़ी तमांग, 5/8 गो.रा., 33 राष्ट्रीय राइफल
8. 13615954 हवलदार इकबाल बहादुर सिंह, 5 पैरा
9. 2890234 लांस नायक पेमा, राजपूताना राइफल, 9 राष्ट्रीय राइफल
10. 5046260 लांस नायक दलीप थापा, 5/1 गोरखा राइफल
11. 13620195 लांस नायक रेवाधर जोशी, 5 पैरा
12. 2603112 सिपाही राम बाबू मोई, 26 मद्रास
13. 3000769 सिपाही मन्जू कुमार, राजपूत, 10 राष्ट्रीय राइफल
14. 3193044 सिपाही कुलबीर सिंह, 16 जाट
15. 2893733 राइफलमैन रीरमल सिंह, राजपूताना राइफल, 18 राष्ट्रीय राइफल
16. 9101495 राइफलमैन नसीर अहमद, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, 22 राष्ट्रीय राइफल
17. 15148944 गनर सुखनिधान पटेल, आर्टिलरी, 28 राष्ट्रीय राइफल
18. 8033747 सवार भवानी सिंह शेखावत, कवचित कोर, 4 राष्ट्रीय राइफल
19. 15473652 सवार घनश्याम लाल, कवचित कोर, 4 राष्ट्रीय राइफल

ऑपरेशन हिफाज़त

20. आईसी-58648 कैप्टन शिवेन कौल, 9 गोरखा राइफल, मुख्यालय 9 सेक्टर एआर
21. एसएस-38642 कैप्टन सुभाष सिंह चौहान, 11 गढ़वाल राइफल
22. एसएस-38657 कैप्टन उदय गणपतराव जरांडे, आर्टिलरी, 4 असम राइफल
23. आईसी-62746 लेफ्टिनेंट सुजीत कुमार सोनी, 11 गढ़वाल राइफल
24. 410986 हवलदार जामथांग वाईफे, असम राइफल, मुख्यालय 9 सेक्टर एआर
25. 2200613 हवलदार बिचेत्रा मेच, 22 असम राइफल
26 2990844 हवलदार रनवीर सिंह, 19 राजपूत
27. 4073826 लांस नायक राजेन्द्रपाल सिंह, 11 गढ़वाल राइफल

ऑपरेशन राइनो

28. आईसी-59930 कैप्टन विजय कुमार शर्मा, इन्टेलिजेंस कोर, 1/6 डेट ईसीएलयू
29. 4077812 लांस नायक गुड्डू सिंह, 16 गढ़वाल राइफल

ऑपरेशन राहत

30. जेसी-829288 नायब सूबेदार शेष पाल, से.मे., पैनियर, 1816 पैनियर कंपनी (मरणोपरांत)
31. 8833446 लांस नायक अजीत कुमार मिश्रा, पैनियर, 1816 पैनियर कंपनी (मरणोपरांत)

वरुण मित्रा
निदेशक

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 07 नवम्बर 2005

संकल्प

सं. ई. 4(3)/2003-रा.भा.(वि.वि.):- विधि और न्याय मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन से संबंधित इस विभाग के दिनांक 23 मार्च 2005 के समसंख्यक संकल्प में आंशिक संशोधन करते हुए इसकी क्रम संख्या 8 के सामने श्रीमती सरला माहेश्वरी, संसद सदस्य, राज्य सभा के स्थान पर श्री मतिलाल सरकार, संसद सदस्य, राज्य सभा का नाम शामिल किया जाता है। संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित संसद सदस्य का पता निम्नलिखित है :-

नाम	स्थानीय पता	स्थायी पता
श्री मतिलाल सरकार, संसद सदस्य, राज्य सभा	फ्लैट नं0 107 एवं 504 वी. पी. हाउस, रफी मार्ग नई दिल्ली ।	ग्राम:मिलन संगा डाकघर:ए. डी. नगर अगरतला, त्रिपुरा - 799003

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति हिन्दी सलाहकार समिति के सभी सदस्यों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय राजभाषा समिति, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, योजना आयोग और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एन. के. नम्पूतिरी

संयुक्त सचिव एवं विधायी परामर्शी (प्रशा.)

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2005

No.125–Pres/2005 - The President is pleased to approve the award of the **"Kirti Chakra"** to the undermentioned personnel for the acts of gallantry:-

WING COMMANDER BALAKRISHNA PILLAI SREEBHAVAN KRISHNA KUMAR (17870) FLYING (PILOT)

(Effective date of the award: **26 December 2004**)

Wing Commander Balakrishna Pillai Sreebhavan Krishna Kumar is posted as the Commanding Officer of a MI 8 Flight at Air Force Station, Car Nicobar since 08 November 2004.

On 26 December 2004, Air Force Station Car Nicobar was devastated by a severe earthquake, which was followed by a Tsunami. Wing Commander Krishna Kumar's house was one of the first to be engulfed and destroyed by the tidal waves. After having faced a near death situation and surviving the same, Wing Commander Krishna Kumar lost no time in getting airborne, to take stock of the situation and to carry out search and rescue operations.

On getting airborne, Wing Commander Krishna Kumar saw the havoc being wrecked by 30 feet high tidal waves and realised that time was at premium. He immediately commenced rescuing families and personnel stranded on balconies, rooftops and high ground before the tsunamis could demolish or engulf the structures. Rescue operation by winching up and evacuation by landing was getting dangerous by the minute as the water was consuming nearly everything in sight. In spite of his own traumatic escape from a near death situation, Wing Commander Krishna Kumar kept his composure and displayed extreme courage and professionalism by continuing to manoeuvre the helicopter under marginal safety conditions, thereby saving approximately 400 lives. In the subsequent days, despite losing all his belongings in the Tsunami, Wing Commander Krishna Kumar flew numerous sorties to provide relief and succour to thousands affected not only in Car Nicobar but also in the rest of the Nicobar group of islands.

Wing Commander Balakrishna Pillai Sreebhavan Krishna Kumar displayed extraordinary courage, conspicuous gallantry and compassion to fellow beings in the face of heavy odds in a natural disaster.

BARUN MITRA
Director

No.126–Pres/2005 - The President is pleased to approve the award of the **"Shaurya Chakra"** to the undermentioned personnel for the acts of gallantry:-

1. **SHRI MOHD. AKBAR, HEAD CONSTABLE, JAMMU & KASHMIR POLICE (POSTHUMOUS)**

(Effective Date of the award: **19 April 2004**)

On 19th April 2004, a police party headed by Head Constable Mohd Akbar reported to polling booth at Lal Baba Sahib Arampora, Sopore, District Baramula, for providing security for polling during the elections in the state on 20.04.2004. While taking physical possession of the polling station complex, some unknown terrorists hurled a grenade inside the polling station complex. On seeing the grenade, Head Constable Mohd Akbar immediately jumped and lifted it and attempted to throw it in the direction of the terrorists. However, the grenade exploded in his hands resulting in his instantaneous death. However, by this act of courage of Head Constable Mohd Akbar, lives of some civilians and police jawans present on the spot were saved.

Shri Mohd Akbar, thus, displayed bravery, raw courage, exemplary devotion to duty and made the supreme sacrifice in saving the lives of civilians and other police personnel.

2. **JC-469128 NAIB SUBEDAR JAGBIR SINGH 19 RAJPUTANA RIFLES**

(Effective date of the award: **06 May 2004**)

Based on inputs collated by Battalion Headquarters, part of Buth forest near a colony in Jammu & Kashmir was cordoned by 1200 hours on 06 May 2004. Three search teams were launched for search and destroy operation which started diligent search of the dense forest with thick secondary growth. Naib Subedar Jagbir Singh moving stealthily, reached a hideout and detected some terrorists. With complete

disregard to his personal safety, he closed in and lobbed a hand grenade and charged on the terrorists killing two of them on the spot, while others escaped. Naib Subedar Jagbir Singh informed the Commanding Officer and organised his team in search of others. One terrorist fired injuring one Jawan. Naib Subedar Jagbir manoeuvered and readjusted his team and eliminated the third terrorist in a close firefight and personally evacuated the jawan. In the operation, a total of six hardcore terrorists were killed.

Naib Subedar Jagbir Singh showed indomitable courage, tactical acumen and exemplary leadership in fighting the terrorists.

3. 2896869 RIFLEMAN BHUPENDER SINGH RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: **17 May 2004**)

On 17 May 2004, based on information, a cordon and search operation was launched in a village in district Anantnag, Jammu & Kashmir. Rifleman Bhupender Singh was part of the inner cordon.

At about 2000 hours, the inner cordon came under intense and effective automatic and grenade fire from terrorists hiding in a house. Realizing the gravity of the situation and vulnerability of his comrades, Rifleman Bhupender Singh silently crawled up to the window and in a surprise move stood up and shot one terrorist dead through the window. The other terrorist lobbed a grenade towards him and escaped into the adjacent room. Rifleman Bhupender Singh got critically wounded in the grenade attack but throwing all cautions to the wind and at his own peril he jumped into the house alone. The brave soldier thereafter displaying exemplary courage charged towards the second terrorist spraying bullets. However, in the firefight, he was again hit, but this did not hamper his grit and determination and in super human effort, he snatched the terrorist weapon in hand to hand duel and shot him dead at point blank range. The gallant soldier bleeding profusely achieved martyrdom soon thereafter.

Rifleman Bhupender Singh displayed gallantry beyond the call of duty, grit determination and made the supreme sacrifice in the highest traditions of the Indian Army while fighting the terrorists.

4. 4559439 HAVILDAR RATHWA GORDHAN BHAI KALJI BHAI
11 MAHAR REGIMENT (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: **04 June 2004**)

On 04 June 2004 at 0200 hours, Havildar Rathwa Gordhan Bhai Kalji Bhai leading an ambush in Poonch district, Jammu & Kashmir spotted movement of three terrorists. Exhibiting exemplary leadership skills, he established contact and simultaneously relocated neighbouring ambushes for a tight cordon. He accurately directed illumination fire over the area and successfully pinned down the terrorists till first light.

At first light, he spotted three terrorists attempting to flee. In an act of exceptional gallantry, unmindful of flying bullets, he crawled and closed in with the terrorists and killed one at close quarters. In the process, he also came under terrorists' fire. Despite being injured, he fatally wounded another terrorist and pointed out the location of the third terrorist to his party before succumbing to injuries. His gallant act was not only instrumental in elimination of this group of hardcore terrorists but it also paved way for elimination of another three terrorists of the same group in subsequent Operations.

Havildar Rathwa Gordhan Bhai Kalji Bhai exhibited indomitable courage, tactical acumen and exemplary leadership under heavy fire and made the supreme sacrifice.

5. 3185156 NAIK ISHWAR SINGH
16 JAT REGIMENT

(Effective date of the award: **18 June 2004**)

On 18 June 2004, Naik Ishwar Singh was part of an ambush in Gurez Sector near line of control in Northern Sector. The terrain which is at high altitude, rugged with thick forest and undergrowth favouring infiltration and making operations difficult. It was raining and extremely cold night. At around 2200 hours, he noticed movement of terrorists. He alerted rest of the group and waited for the terrorists to close in before springing ambush. Two terrorists were killed in the night while others scattered and started firing on own troops. Naik Ishwar Singh exercised fire control and engaged terrorists without allowing them to break contact by readjusting his party. At first light, the ambush came under effective fire from the terrorists. Naik Ishwar Singh ordered others to engage terrorists. Despite heavy fire of terrorists, he got behind

them, and killed two terrorists, while the third terrorist started fleeing. Naik Ishwar Singh, unmindful of own safety, ran after the fleeing terrorist in the rugged terrain and killed him.

Naik Ishwar Singh displayed courage of highest order, exceptional leadership, presence of mind, and selflessness while fighting the terrorists.

6. 14907560 HAVILDAR CHANDRA BAHADUR GURUNG MECHANISED INFANTRY/9 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: **04 July 2004**)

On 04 July 2004, a cordon and search operation was launched in a village in district Anantnag, Jammu & Kashmir. Havildar Chandra Bahadur Gurung was in the cordon party.

At 0430 hours, terrorists tried to break the cordon by heavy volume of fire. During the face-to-face firefight, Havildar Gurung shot dead one terrorist at close range. Other terrorists lobbed grenades at the stop and fired indiscriminately in a desperate bid to escape. His colleague got hit in the right shoulder during this fire assault. Sensing danger to life of his colleague, Havildar Gurung using cover crawled and lobbed a grenade at the terrorists. Simultaneously in a flash, he charged, at grave personal risk and in a super human effort, engaged one terrorist in a hand-to-hand duel. He pumped a burst through the head of the terrorist, later identified as District Commander of a terrorists' outfit. He observed two more terrorists attempting to escape. Displaying presence of mind, he shifted position and engaged the fleeing terrorists injuring one of them. During the ensuing firefight, Havildar Gurung received a gunshot wound on his head and succumbed to injuries. Before making the supreme sacrifice, he called his company Commander on the Radio Set and exhorted him to the other two terrorists who by then were pushed back into the village.

Havildar Chandra Bahadur Gurung, thus, displayed raw courage, grit determination, comradeship and made the supreme sacrifice in performing his duties.

7. GS-175480L OPERATOR EXCAVATING MACHINERY RAMESHAN J (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: **13 July 2004**)

Operator Excavating Machinery Rameshan J of 371 Road Maintenance Platoon was attached with 114 Road Construction Company (GREF) and deployed along with BD-80 Dozer for improvement of formation cutting work between Km 148.000 to 149.000 on Basoli-Bani-Bhadarwah Road which is highly militancy infested area of Doda district in Jammu and Kashmir.

On 13 July 2004 around 1230 hours on Basoli-Bani-Bhadarwah Road, while OEM Rameshan along with his co-workers was taking lunch at work site, all of a sudden a group of terrorists appeared and surrounded them. The terrorists, at gunpoint, ordered OEM Rameshan and 3 Casual Paid Labours (CPL) to move with them. OEM Rameshan realizing the intentions of the terrorists and with total disregards to his own safety jumped over one terrorist and wrestled with him to snatch his weapon and shouted at the co-hostages to run away. In this process, other terrorists opened fire on all captives in which OEM Rameshan and two CPLs laid their lives but third CPL taking advantage of scuffle could manage to escape from the site with bullet injuries. The scuffle and the gunfire acted as a warning to other CPLs and GREF personnel working there and enabled them to take shelter at safe places, which saved their lives. Further more due to the gunfire, the security forces deployed nearby got alerted and were able to rush to the site of incident, thereby avoiding loss of Government property.

Operator Excavating Machinery Rameshan J, thus, demonstrated gallantry, dauntless courage, presence of mind, dogged determination and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

8. SHRI BAHADUR SINGH, HIMACHAL PRADESH (POSTHUMOUS)

(Effective Date of the award: **14 July 2004**)

On 14th July, 2004, Shri Bahadur Singh, a Letter Box Peon-cum-Telegram Messenger at Nalagarh Post Office, was assigned the task to deliver a Cash Bag, containing a sum of Rs.5,90,000/- to the State Bank of Patiala, under the supervision of two other officials. On the way, two scooter-borne youth came from behind and

attempted to snatch the bag from him at gunpoint. Shri Bahadur Singh resisted the attempt despite being fired in the arm and tried to save the bag without caring for his life. The incident took place in a busy market area in broad day light and in full public view but no one came forward to help Shri Bahadur Singh and he continued fighting courageously single handed. The assailants could manage to snatch the bag only after shooting him dead.

Shri Bahadur Singh displayed conspicuous bravery, raw courage, exemplary devotion to duty and made the supreme sacrifice of his life in fighting the assailants.

9. **IC-50850 MAJOR GAURAV RISHI, SM**
9 PARA (SPECIAL FORCES)

(Effective date of the award: **04 October 2004**)

Major Gaurav Rishi was Team Commander of a Battalion during an operation in Poonch district, Jammu & Kashmir.

While leading his team, Major Gaurav's squad drew heavy volume of fire from a group of terrorists on a dominating height. Sensing grave danger to his men, Major Gaurav, unmindful of his own safety, displaying raw courage and aggression charged at the terrorists. In a daring attack Major Gaurav shot one terrorist dead at close range. The other terrorists directed indiscriminate fire towards Major Gaurav. In true commando spirit, undeterred by this renewed attack, displaying relentless determination, he crawled over hazardous terrain and shot one more terrorist dead at point blank range. The third terrorist, in a bid to stall Major Gaurav's relentless charge, lobbed a grenade at him. Unfazed, this gallant officer pounced on him and pinning him to the ground killed him with his commando knife.

Major Gaurav Rishi, SM, displayed inspiring leadership, dogged determination, conspicuous bravery in fighting the terrorists.

10. **IC-58637 MAJOR THONGAM JOTEN SINGH**
21 PARA (SPECIAL FORCES)

(Effective date of the award: **08 October 2004**)

Major Thongam Joten Singh was commanding a Team during search and destroy operation in a village in Manipur.

On 08 October 2004, the search party came under heavy fire in which one Jawan was killed. Major TJ Singh immediately rushed towards the site of incident and quickly gauging the situation moved to outflank the fleeing terrorists alongwith a troop of his team. He quickly analysed the situation and worked out a plan to outmanoeuvre the terrorists. Acting dynamically with utmost tenacity and taking advantage of the terrain and restricted visibility, Major TJ Singh moved swiftly alongwith his party and closed in to the terrorists' location, thereby achieving tactical surprise while troop of the Team edged forward closing in from a flank. The terrorists were inching towards Major TJ Singh and opened fire pinning down the entire party. Sensing the danger to troops, Major TJ Singh moved towards the terrorists with utter disregard to personal safety. In the ensuing intermittent fierce firefight that lasted three hours, four terrorists were killed. Major TJ Singh himself shot dead two terrorists.

Major Thongam Joten Singh displayed conspicuous bravery, exemplary leadership, raw courage and dedication in fighting the terrorists.

11. **IC-61357 CAPTAIN NECTAR SANJENBAM**
21 PARA (SPECIAL FORCES)

(Effective date of the award: **08 October 2004**)

On 08 October 2004, Captain Nectar Sanjenbam alongwith a column as part of a Mountain Brigade operation led his team for search and destroy mission in general area in South Manipur. During the search, while approaching a suspicious terrorist hideout in the jungle, Captain Nectar's leading troop came under heavy automatic fire in which the leading scout got killed. Undaunted by hostile fire, Captain Nectar personally moved forward and shot one terrorist dead instantly, thus, enabling forcing the terrorists to flee and evacuation of the fatal casualty. Using initiative and presence of mind, he soon thereafter moved forward to support another party which while pursuing another group of terrorists from a flank had got pinned down under heavy fire. Seeing the party in a tight situation, unmindful of his personal safety, he exposed himself to the hostile fire and closed in with the terrorists from another flank thereby killing one more terrorist and injuring another in a close fire-fight. His brave action enabled another party to encircle the terrorists and killing five of them.

Captain Nectar Sanjenbam, thus, displayed exemplary leadership and raw courage while fighting the terrorists.

12. **GROUP CAPTAIN VIVEK VIKASH BANDOPADHAY, VM (15863) FLYING (PILOT)**

(Effective date of the award: **26 December 2004**)

On 26 December 2004, Air Force Station Carnicobar was devastated by a severe earthquake measuring 9.1 on the Richter scale, lasting for ten to fifteen minutes, followed by Tsunami waves. As the disaster struck, Group Captain Bandopadhay, unmindful of his personal safety, rushed to all accessible parts of Air Force Station exhorting and guiding people to move to safer areas. While moving around the Station, he met the CO of Helicopter unit and requested him to immediately launch a helicopter sortie. This led to prompt rescue operation and ultimately saved hundreds of lives. In the process, he also entered a submerged area to rescue a stranded child. Even as huge Tsunami waves were approaching the area, he took several women and children in his vehicle and dropped them to a safer place. In process, he was hit by the wave and washed away. He somehow managed to hold on to a tree for a couple of hours to save his life. As water receded, he continued his mission of search and rescue and providing succour to devastated people. Throughout, he displayed exemplary courage and fortitude.

In the aftermath of the disaster, he initiated rescue missions to be undertaken by the Helicopters available in the Station. In a short duration of time, the helicopters winched up and evacuated nearly 350 personnel and brought them safely to the high ground. Simultaneously, he formed groups and made search parties to look for people who were injured or dead. He organised funeral of the dead with due respects. With the help of medical teams, he took all the steps to ensure no epidemic broke out.

Group Captain Vivek Vikash Bandopadhay, VM displayed courage, leadership and gallantry despite his personal trauma in the face of great adversity.

13. **SQUADRON LEADER PULLUVALLYIL RAMAN SUDHAKAR PANICKAR (23634), EDUCATION**

(Effective date of the award: **26 December 2004**)

On 26 December 2004, Air Force Station Carnicobar was devastated by a severe earthquake which was followed by Tsunamis. Squadron Leader Sudhakar could not escape the fury and was washed away by the tidal waves. He held on for his life on a tree trunk, which was adrift for nearly an hour before reaching the safety of firm ground.

Immediately after surviving the onslaught of Tsunami waves, he organised rescue teams and started the arduous task of looking for survivors and recovering and identifying the bodies of the deceased. He personally went to several submerged areas to look for survivors. Looking for survivors in an area strewn with debris, unstable buildings, reptiles and a coastline redefined by the tsunami was a task, which required any individual to draw immensely from this internal resource of courage. Squadron Leader Sudhakar was among the very few who dared to undertake this task with total disregard to his personal safety. He subsequently organised the panic stricken surviving personnel, families and civilians into manageable groups so that a "headcount" could be carried out and medical aid/food could be distributed to those who needed it urgently. For the next few days, Squadron Leader Sudhakar took on the extremely difficult task of identification, documentation and cremation of the bodies. Handling bodies in advanced stages of decomposition is a task, which does not draw many volunteers. Squadron Leader Sudhakar was able to motivate a team of officers and airmen to assist him in this unpleasant but extremely essential task.

Squadron Leader Pulluvallyil Raman Sudhakar Panickar displayed exemplary courage and gallantry beyond the call of duty, in the face of severe adversity.

14. SQUADRON LEADER SUSHIL VIJAY SANSARE (23770)
FLYING (PILOT)

26 December 2004

On 26 December 2004 at 0630 hours, Carnicobar was hit by severe Earthquake followed by Tsunami. During and after the Tsunami onslaught, Squadron Leader Sushil Vijay Sansare was involved in saving lives and organising safe conduct of rescue and relief operations. After being hit by the first wave, he courageously waded through the chest deep water to help the stranded families in the buildings. Upon being hit by the second wave, he barely managed to evade the neck deep water and save his life by running towards tarmac. He instructed the crew to position the aircraft on the runway. He then went towards the submerged end of runway entering neck deep reptile infested water and helped 15 stranded families mostly ladies and children to the safety of high ground. He recovered two personnel almost dead and brought them towards ambulance, however inspite of his best efforts, they could not be revived. With the help of Sqn ground crew, the body of IOC manager was brought back from the rubble.

He organised the ATC personnel to recover all the communication equipment and fuel tankers immediately to the tarmac to refuel the helicopters towards uninterrupted rescue operations and for airlifting the stranded people. His relentless efforts towards search and rescue and total involvement in casualty evacuation/relief operations resulted in saving many lives. It aptly exhibited sense of 'Service Before Self'.

Squadron Leader Sushil Vijay Sansare, thus, showed exceptional courage and gallantry beyond the call of duty, in saving lives in the face of natural disaster.

15. SQUADRON LEADER TAMMENENI SRINIVASULU (24567) ADMINISTRATION/FIGHTER CONTROLLER

(Effective date of the award: **26 December 2004**)

On 26 December 2004, Air Force Station Carnicobar was devastated by a severe earthquake which was followed by Tsunamis. On noticing the increasing waves, Squadron Leader Tammeneni Srinivasulu, immediately started warning others and advised them to move towards the runway, as it was comparatively higher. During this process of helping others, he himself went into chest deep turbulent waters, thereby risking his own life.

After extricating himself, he started moving towards the runway when he heard some cries for help. He personally went to several submerged areas to look for survivors and help them. Looking for survivors in an area strewn with debris, unstable buildings and a coastline redefined by the tsunami was a task, which required any individual to draw immensely from this internal resource of courage. He re-entered the waters and rescued some of the survivors, mostly ladies and children, who were hanging on to trees and moved them to the safety of high ground. After ensuring safety of the people he had rescued, he began to look for others who might still be alive. In this process, he sustained several injuries including a deep cut on his foot. Undeterred by the injuries and the turbulent waters, Squadron Leader Srinivasulu continued his search and was able to recover three bodies on the first day, before they could be washed back to the sea.

Squadron Leader Tammeneni Srinivasulu displayed exemplary moral and physical courage in the service of mankind with total disregard to his personal safety in the face of severe adversity.

16. FLIGHT LIEUTENANT ARISETTY VIJAY KUMAR (25858) FLYING (PILOT)

(Effective date of the award: **26 December 2004**)

On 26 December 2004, Air Force Station Carnicobar was devastated by a severe earthquake followed by Tsunamis. In a short span of time, the dangerous wave engulfed the area. Flight Lieutenant Arisetty Vijay Kumar realising the danger of the devastating wave risked his life for saving the personnel. He rushed to stranded personnel and led them to the runway, which was the highest point of the airfield, knowing that any delay could have endangered his own life. His courageous and brave action helped to save the life of many personnel. After the devastating Tsunami the entire Air Force Station was in a great trauma due to massive loss of lives and property. Buildings had collapsed and trees uprooted. Immediately after that Flight Lieutenant Vijay Kumar started up a helicopter expeditiously for rescue mission. Flying as Co-Pilot to the Commanding Officer, under difficult flying conditions and limited safety margin, he displayed courage of a very high order and continued with rescue, despite risk to his own life. He flew for three hours continuously. Undeterred by fatigue and the danger of flying in extreme adverse conditions, Flight Lieutenant Vijay Kumar under took the rescue task despite all odds and difficulties. Though the safety margins for flying were dangerously low, he dared to fly and winched up stranded personnel from rooftops, balconies and radar ramp where the area was extremely restricted. His actions in the face of natural calamity were a morale booster to others who emulated him in further rescuing the personnel.

Flight Lieutenant Arisetty Vijay Kumar displayed raw courage, gallantry and selfless devotion to the fellow beings, in the face of heavy odds in a natural disaster.

17. GO-2757F ASSISTANT EXECUTIVE ENGINEER (E&M) TAPAN KUMAR SAHOO

(Effective date of the award: **07 February 2005**)

On 07 February 2005 at 02.30 A.M., an avalanche hit the north portal of the Jawahar Tunnel totally covering the north portal with heavy snow. Two of the Fibre

Reinforced Plastic shelters of ITBP were hit by avalanche and got buried in the heavy snow while the ITBP Jawans were sleeping inside these. On hearing the news from control room at the north portal, Shri Tapan Kumar Sahoo, Assistant Executive Engineer (Electrical & Mechanical) mustered the men and rushed alongwith digging tools and equipment to the location where the FRP shelters were buried. In the face of heavy snowfall and threat of more avalanches, he motivated the men and started excavating the snow in pitch darkness. Though there was a constant threat to his life, yet Shri Sahoo continued the rescue operations and dug out five ITBP personnel alive from the snow by 0600 hours. As he was further excavating the snow in search of more ITBP personnel, he recovered four mortal remains of ITBP personnel. During this operation, another avalanche hit the north portal at 0630 hours. In spite of the hazardous and tiring operation already completed, he took it upon him to open the road by operating Rolba snow cutter machine himself and opened the road in a short time due to which he could move the ill-fated ITBP personnel to the nearest medical center. He was able to motivate other GREF personnel under his command by his personal example.

Shri Tapan Kumar Sahoo, thus, displayed raw courage, exemplary leadership and dedication to his duty in trying condition of snowfall and avalanches, to save precious human lives.

18. **GS-167226M OVERSEER SUKUMAR SHARMA (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: **18 February 2005**)

Overseer Sukumar Sharma of 159 Formation Cutting Platoon (GREF) was deployed for snow clearance operation near Diversion Tube of Jawahar Tunnel for opening of Jammu-Srinagar road which had closed due to heavy snow fall. The state of Jammu & Kashmir was struck by one of the worst ever-natural disaster in recent past in February 2005 where number of people lost their lives. Opening of traffic to Kashmir Valley was utmost priority wherein personnel of Border Roads Organization were deployed for clearing snow from National Highway on 18 February 2005. The very same day an avalanche hit the diversion tube of Jawahar Tunnel at 1400 hours where GREF personnel were trying to open the National Highway-1A for traffic, which had closed due to previous avalanches. When Shri Sharma saw his colleagues getting

trapped beneath the avalanche, he immediately ordered OEM Navender Kumar to move dozer towards accident site to launch rescue operation. While Shri Sharma was approaching the accident site with Dozer, another avalanche hit short of diversion tube of Jawahar Tunnel. He was trapped in the avalanche and could not save himself from it and got buried under 18-20 feet snow. In spite of the best efforts made by personnel of RR, GREF and HAWS to search/rescue Shri Sukumar Sharma alive, his body could only be recovered on 24 February 2005.

Overseer Sukumar Sharma displayed bravery of the exceptional order, highest level of responsibility and made the supreme sacrifice while performing his duty.

19. GS-163891X DRIVER MOTOR TRANSPORT-3 CHRISTAPHER, F (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: **18 February 2005**)

On 18 February 2005, the road stretch between Ramsu and Quazigundo on National Highway–1A was under cover of heavy snowfall and was continuously occurring. While the commander 760 BRTF along with Officer Commanding 99 Road Construction Company (GREF) was supervising, a snow avalanche came from top with thundering noise. As every body was running for safety into the Tunnel by the order of Commander, Driver Motor Transport-3 Christapher F who had almost reached into Jawahar Tunnel saw Driver Lal Bahadur who was struggling to come out of snow. Without caring for his life, Driver Christapher rushed back to rescue Driver Lal Bahadur. While he was trying to rescue Driver Lal Bahadur, another snow avalanche came from opposite direction and hit both the individuals and were thrown down towards hillside and buried under heavy snow. Their bodies were recovered after thorough search by HAWS team on 23 February 2005.

Driver Motor Transport Grade-3 Christapher. F, thus, shown tremendous courage dedication to his duty in trying condition of blizzards, snowfall and avalanches and made the supreme sacrifice in attempting to save his colleague.

BARUN MITRA
Director

6—341 GI/2005

No.127--Pres/2005 - The President is pleased to approve the award of the **"Bar to Sena Medal/Army Medal"** to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. IC-50836 MAJOR NEERAJ SHUKLA, SM
   8 JAMMU AND KASHMIR RIFLES

2. IC-55575 MAJOR RAJIV CHAUDHARY, SM
   PUNJAB REGIMENT/22 RASHTRIYA RIFLES

3. IC-56449 CAPTAIN SANJAY ARYA, SM, 8 GORKHA RIFLES, 25 ASSAM RIFLES (POSTHUMOUS)

4. IC-62189 CAPTAIN INDERPREET SINGH DHILLON, SM
   ARMY SERVICE CORPS/14 JAT REGIMENT

5. 4072491 NAIK KISHOR KUMAR, SM
   GARHWAL RIFLES/36 RASHTRIYA RIFLES

BARUN MITRA
Director

No.128–Pres/2005 - The President is pleased to approve the award of the **"Sena Medal/Army Medal"** to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. IC-43262 COLONEL ANANTHANARAYAN ARUN
   GRENADIERS/55 RASHTRIYA RIFLES

2. IC-45023 COLONEL RAJENDRA SINGH YADAV
   ARMY AVATION CORPS/659 ARMY AVN SQN (R&O)

3. IC-49229 MAJOR SHAILENDRA SINGH,
   RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES

4. IC-53153 MAJOR SAURABH GUPTA, ENGINEERS/9 RASHTRIYA RIFLES

5. IC-53558 MAJOR RAJESH K KRISHNA,
   ENGINEERS/44 RASHTRIYA RIFLES

6. IC-54095 MAJOR AMIT SHARMA,
   ARMY SERVICE CORPS/1 RASHTRIYA RIFLES

7. IC-55814 MAJOR RAJESH, PUNJAB REGIMENT/22 RASHTRIYA RIFLES

8. IC-55975 MAJOR ASHISH HOODA, 9 PARA (SPECIAL FORCES)

9. IC-56155 MAJOR DEEPAK KUMAR DAYAL, 12 MADRAS REGIMENT

10. IC-56329 MAJOR LALIT KUMAR,
    MAHAR REGIMENT/1 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

11. IC-56687 MAJOR ANIL KUMAR TRIPATHI
    ARMY SERVICE CORPS/5 RASHTRIYA RIFLES

12. IC-57550 MAJOR MANMOHAN SINGH,
    JAT REGIMENT/22 ASSAM RIFLES

13. IC-57908 MAJOR ASHISH BHALLA,
    RAJPUTANA RIFLES/18 RASHTRIYA RIFLES

14. IC-57938 MAJOR SANKALP VIJAY RAOUT
ARMOURED CORPS/14 RASHTRIYA RIFLES

15. IC-58688 MAJOR BHUPAL SINGH, 5/3 GORKHA RIFLES

16. IC-59013 MAJOR SUDEEP KUMAR MISHRA
ENGINEERS/3 RASHTRIYA RIFLES

17. IC-59097 MAJOR SHAGAF SHUJA KHAN, 21 KUMAON REGIMENT

18. SS-37263 MAJOR MOHIT SAKTAWAT
SIKH LIGHT INFANTRY/2 RASHTRIYA RIFLES

19. SS-37334 MAJOR H SHIRISH KUMAR PILLAI, 11 MAHAR REGIMENT

20. SS-37478 MAJOR AMAR SINGH KWATRA
ARMOURED CORPS/6 ASSAM RIFLES

21. SS-38309 MAJOR RAJIV YADAV, 1 NAGA REGIMENT

22. IC-58892 CAPTAIN VIJAY KUMAR SHAH
ARTILLERY/49 RASHTRIYA RIFLES

23. IC-59072 CAPTAIN SANJAY SHARMA,
9 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCES)

24. IC-60170 CAPTAIN AMNINDER SINGH BAINS
1 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCES)

25. IC-60217 CAPTAIN JAGBIR SINGH DALAL,
CORPS OF ARMY AIR DEFENCE/18 RASHTRIYA RIFLES

26. IC-60565 CAPTAIN NIRAJ SRIVASTAVA, 5/8 GORKHA RIFLES

27. IC-61607 CAPTAIN BHARAT SINGH,
ARMY SERVICE CORPS/16 MARATHA LIGHT INFANTRY

28. IC-61651 CAPTAIN APURV BHATNAGAR,
1 JAMMU AND KASHMIR RIFLES

29. IC-62070 CAPTAIN SHASHI BHUSHAN SINGH,
ENGINEERS/55 RASHTRIYA RIFLES

30. SC-00309 CAPTAIN PIAR SINGH BHATOIA, 24 PUNJAB REGIMENT

31. SS-37980 CAPTAIN VIKAS SADHOTRA,
CORPS OF ARMY AIR DEFENCE/9 RASHTRIYA RIFLES

32. SS-39325 CAPTAIN SHAM SINGH LALOTRA
11 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY

33. IC-62062 LIEUTENANT JAMINI BHUSAN DUTTA, 1 NAGA REGIMENT

34. IC-62105 LIEUTENANT SUNIL PANDITA,
19 JAMMU AND KASHMIR RIFLES

35. IC-62926 LIEUTENANT TEJINDER SINGH SANDHU
ARMY SERVICE CORPS/16 GRENADIERS

36. IC-63325 LIEUTENANT ASHUTOSH KANWAR
CORPS OF ELECTRONIC & MECHANICAL ENGINEERS/10 PARA (SPECIAL FORCES)

37. IC-63540 LIEUTENANT RAJENDRA SINGH
ARMY ORDNANCE CORPS/28 MADRAS REGIMENT

38. IC-64127 LIEUTENANT ASHISH SAJGOTRA, 4 JAT REGIMENT

39. IC-64330 LIEUTENANT RAHUL RAMESH PAWAR
CORPS OF ELECTRONIC AND MECHANICAL ENGINEERS/1 NAGA REGIMENT

40. SS-39853 LIEUTENANT VINIT BAJPAI, 2/1 GORKHA RIFLES

41. SS-40364 LIEUTENANT ANOOP RANA
ARMY ORDNANCE CORPS/1 NAGA REGIMENT

42. JC-438070 SUBEDAR M MUNIRAJ, 7 MADRAS REGIMENT

43. JC-590095 SUBEDAR LETKHOLIM KHONGSAI, 1 NAGA REGIMENT

44. JC-239782 NAIB RISALDAR RAM LAKHAN SINGH
ARMOURED CORPS/37 RASHTRIYA RIFLES

45. JC-266547 NAIB SUBEDAR HARBHAJAN SINGH
ARTILLERY/193 FIELD REGIMENT (POSTHUMOUS)

46. JC-438950 NAIB SUBEDAR MADHAVAN TV, 19 MADRAS REGIMENT

47. JC-469364 NAIB SUBEDAR DALBIR SINGH, 19 RAJPUTANA RIFLES

48. 2982308 COMPANY HAVILDAR MAJOR SUBHASH CHANDER,
RAJPUT REGIMENT/23 RASHTRIYA RIFLES

49. 2481733 HAVILDAR MALKIT SINGH, 9 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCE)

50. 2585646 HAVILDAR SOUNDHAR MARIMUTHU, 12 MADRAS REGIMENT

51. 4067474 HAVILDAR JAI SINGH,
GARHWAL RIFLES/36 RASHTRIYA RIFLES

52. 4181053 HAVILDAR CHANDRA SHEKHAR,
21 KUMAON REGIMENT (POSTHUMOUS)

53. 13617099 HAVILDAR BHUPAL SINGH,
9 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCES)

54. 13750116 HAVILDAR MAGHAR SINGH, 1 JAMMU AND KASHMIR RIFLES

55. 13755717 HAVILDAR BHAWANI DATT,
9 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCES)

56. 2479806 NAIK GURBACHAN SINGH, 25 PUNJAB REGIMENT

57. 2596630 NAIK PATCHAMALAI VENKATA SUBRAMANIAN,
25 MADRAS REGIMENT (POSTHUMOUS)

58. 2888020 NAIK KARTAR SINGH,
RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES

59. 3393801 NAIK MANJIT SINGH, 9 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCE)

60. 4364138 NAIK HP ROSANGPUIA, 6 ASSAM REGIMENT

61. 13624498 NAIK JAMES LHUNGDIM,
21 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCE) (POSTHUMOUS)

62. 14918844 NAIK NANDYALA SREENIVASULU
1 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCE) (POSTHUMOUS)

63. 2690115 LANCE NAIK SURINDER KUMAR, 2 GRENADIERS REGIMENT

64. 2891450 LANCE NAIK JAGDISH SINGH RATHORE,
RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

65. 3187544 LANCE NAIK RAMDEV, 4 JAT REGIMENT

66. 9098217 LANCE NAIK SURJEET KUMAR
11 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY

67. 2799314 SEPOY MUDAGE PRAKASH KASHINATH
16 MARATHA LIGHT INFANTRY (POSTHUMOUS)

68. 2799750 SEPOY BIRAJDAR UTTAM GOVINDRAO
26 MARATHA LIGHT INFANTRY (POSTHUMOUS)

69. 3001295 SEPOY DHARMENDER SINGH
RAJPUT REGIMENT/23 RASHTRIYA RIFLES

70. 3403742 SEPOY RAMANDIP SINGH,
SIKH REGIMENT/6 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

71. 4278395 SEPOY ASHUTOSH KUMAR,
BIHAR REGIMENT/4 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

72. 4476007 SEPOY DHANVIR SINGH,
SIKH LIGHT INFANTRY/2 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

73. 4573013 SEPOY GAWAI KAILAS BHAURAO,
MAHAR REGIMENT/1 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

74. 7431350 SEPOY NIRMAL NEOG,
4 CORPS INTELLIGENCE AND FS COY

75. 2892113 RIFLEMAN BALJIT SINGH,
RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

76. 2893039 RIFLEMAN GIRVER SINGH,
RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

77. 2894879 RIFLEMAN RAJESH KUMAR,
RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES

78. 2896570 RIFLEMAN KRISHNA PAL SINGH,
RAJPUTANA RIFLES/9 RASHTRIYA RIFLES

79. 4079571 RIFLEMAN SUNEEL KUMAR,
GARHWAL RIFLES/36 RASHTRIYA RIFLES

80. 5757536 RIFLEMAN MADAN REULE,
5/8 GORKHA RIFLES (POSTHUMOUS)

81. 12974174 RIFLEMAN GH MOHD KHAN,
JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY/162 TERRITORIAL ARMY
BATTALION (POSTHUMOUS)

82. 13761143 RIFLEMAN KHEM RAJ, 8 JAMMU AND KASHMIR RIFLES

83. 2698615 GRENADIERS ANIL MALIK, 16 GRENADIERS REGIMENT

84. 2796707 PARATROOPER ALLA SAB,
10 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCE) (POSTHUMOUS)

85. 4078227 PARATROOPER KHEMANAND,
21 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCE)

86. 13625831 PARATROOPER SHAKTI SINGH
1 PARA REGIMENT (SPECIAL FORCE) (POSTHUMOUS)

BARUN MITRA
Director

No.129–Pres/2005 - The President is pleased to approve the award of the **"Nao Sena Medal/Navy Medal"** to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. CAPTAIN PRAMOD SINGH GEHLOT (70215-B)

2. COMMANDER SHAILENDRA SINGH (03229-N)

3. LIEUTENANT COMMANDER MANOJ KUMAR SINGH (03082-B)

4. LIEUTENANT COMMANDER SANDEEP TANDON (03642-A)

5. LIEUTENANT M DORAI BABU (04666-B)

BARUN MITRA
Director

No.130–Pres/2005 - The President is pleased to approve the award of the **"Vayu Sena Medal/Air Force Medal"** to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage:-

1. GROUP CAPTAIN UMESH KUMAR SHARMA (17323) FLYING (PILOT)
2. WING COMMANDER SUBRAMANIAM RAVI VRIDHACHALEM (18101), FLYING (PILOT)
3. WING COMMANDER BHANU JOHRI (18831), FLYING (PILOT)
4. WING COMMANDER PEMMARAJU MAHESHWAR (19183) FLYING (PILOT)
5. WING COMMANDER MANISH GIRDHAR (20163), FLYING (PILOT)
6. WING COMMANDER TAPESH SHANKAR (20444), FLYING (PILOT)
7. WING COMMANDER ASHOK PANDE (20521), FLYING (PILOT)
8. WING COMMANDER SACHIN KAPOOR (21853), FLYING (PILOT)
9. SQUADRON LEADER SAMIR RANJAN DAS (24040), FLYING (PILOT)
10. SQUADRON LEADER SANTOSH KUMAR YADAV (25106) FLYING (PILOT)
11. FLIGHT LIEUTENANT DEVAVRAT JAGDISH BHANDARKAR (25338), FLYING (PILOT)
12. 765876 SERGEANT DAVENDRA KUMAR SHARMA, FLIGHT GUNNER

BARUN MITRA
Director

No.131–Pres/2005 - The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the undermentioned officers/personnel for **"Mention in Despatches"** received by the **Raksha Mantri** from the **"Chief of the Army Staff"** :-

OPERATION PRAKARAM

1. IC-45191 COLONEL RAJENDER SINGH SHEKHAWAT, SM, 19 RAJ RIF
2. 5045403 NAIK MAN BAHADUR RANA, 5/1 GR

OPERATION RAKSHAK

3. IC-54857 MAJOR AESAMANI SRINIVAS, 5 GR, 33 RR
4. IC-58898 MAJOR PRAVEEN KUMAR, 13 JAK LI
5. JC-539290 NAIB SUBEDAR SHYAM DATT, KUMAON, 13 RR
6. 2589873 HAVILDAR ASATULLA ISMAIL, MADRAS, 8 RR
7. 5752797 HAVILDAR MAN KAJI TAMANG, 8 GR, 33 RR
8. 13615954 HAVILDAR EKBAL BAHADUR SINGH, 5 PARA
9. 2890234 LANCE NAIK PEMA, RAJ RIF, 9 RR
10. 5046260 LANCE NAIK DALIP THAPA, 5/1 GR
11. 13620195 LANCE NAIK REVADHAR JOSHI, 5 PARA
12. 2603112 SEPOY RAM BABU MOYYI, 26 MADRAS
13. 3000769 SEPOY MANJU KUMAR, RAJPUT, 10 RR
14. 3193044 SEPOY KULBIR SINGH, 16 JAT
15. 2893733 RIFLEMAN RIRMAL SINGH, RAJ RIF, 18 RR
16. 9101495 RIFLEMAN NASEER AHMED, JAK LI, 22 RR
17. 15148944 GUNNER SUKHANIDHAN PATEL, ARTY, 28 RR
18. 8033747 SOWAR BHAWANI SINGH SHEKHAWAT, ARMD, 4 RR
19. 15473652 SOWAR GHANSHYAM LAL, ARMD, 4 RR

OPERATION HIFAZAT

20. IC-58648 CAPTAIN SHIWAIN KAUL, 9 GR, HQ 9 SECTOR AR
21. SS-38642 CAPTAIN SUBHASH SINGH CHAUHAN, 11 GARH RIF
22. SS-38657 CAPTAIN UDAY GANPATRAO JARANDE, ARTY, 4 ASSAM RIF

23. IC-62746 LIEUTENANT SUJIT KUMAR SONI, 11 GARH RIF

24. 410986 HAVILDAR ZAMTHANG VAIPHEI, ASSAM RIF, HQ 9 SECTOR AR

25. 2200613 HAVILDAR BICHETRA MECH, 22 ASSAM RIF

26. 2990844 HAVILDAR RANVEER SINGH, 19 RAJPUT

27. 4073826 LANCE NAIK RAJENDRAPAL SINGH, 11 GARH RIF

OPERATION RHINO

28. IC-59930 CAPTAIN VIJAY KUMAR SHARMA, INT, 1/6 DET ECLU

29. 4077812 LANCE NAIK GUDDU SINGH, 16 GARH RIF

OPERATION RAHAT

30. JC-829288 NAIB SUBEDAR SHASH PAL, SM, PNR, 1816 PNR Coy (Posthumous)

31. 8833446 LANCE NAIK AJIT KUMAR MISHRA, PNR, 1816 PNR Coy (Posthumous)

BARUN MITRA
Director

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(LEGISLATIVE DEPARTMENT)

New Delhi, the 07th November 2005

RESOLUTION

No.E.4(3)/2003-O.L.(L.D.) In partial modification of this Department's Resolution of even No. dated 23rd March, 2005 regarding reconstitution of Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of Law and Justice, the name of Shri Matilal Sarkar, MP (Rajya Sabha) is hereby included against Sl.No.8 of the said resolution in place of Smt. Sarla Maheshwari, MP (Rajya Sabha). The address of the MP nominated by the Committee of Parliament on Official Languages, is as under:-

Name	Local Address	Permanent Address
Shri Matilal Sarkar MP (Rajya Sabha)	Flat No. 107 & 504, V.P.House, Rafi Marg, New Delhi	Vill-Milan Sanga, Post - A.D.Nagar, Agartala, Tripura - 799003

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the Members of this Committee, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Committee of Parliament on Official Language, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and all Ministries and Departments of the Government of India .

It is also ordered that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India for the information of general public.

N. K. NAMPOOTHIRY
Jt. Secy. & Legislative Counsel (Admn.)

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2005
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2005